बर्षः- 05
अंकः- 331
मुरादाबाद
(Friday)
27 March 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

रामनवमी की शुभकानाएंः राष्ट्रपति, पीएम और रक्षा मंत्री ने मर्यादा पुरुषोत्तम को प्रेरणा बताया

रामनवमी के त्योहार पर राष्ट्रपित द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से लेकर तमाम मंत्रियों ने शुभकामनाएं दी। सभी ने राम को मर्यादा पुरुषोत्तम बताया है। साथ ही उनके जीवन से प्रेरणा देने का निर्देश दिया है। देश में लोग धूमधाम से रामनवमी का पर्व मना रहे हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से लेकर कई मंत्रियों ने रावनवमी की शुभकामनाएं दी है। सभी ने अपने एक्स पर राम भगवान का वीडियो शेयर करते करते हुए पोस्ट लिखा है। राष्ट्रपति

द्रौपदी मुर्मू ने रामनवमी की शुभकामनाएं देते हुए लिखा सभी देशवासियों को रामनवमी के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं! यह त्योहार हमें न्याय,कर्तव्य और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम के जीवन से त्याग, समरसता और आदर्श जीवन-मूल्यों का अनमोल संदेश मिलता है। आइए, उनके आदर्शों को आत्मसात करते हुए हम रामराज्य की परिकल्पना के अनुरूप, एक समृद्ध, न्यायपूर्ण और विकसित भारत के निर्माण के लिए मिलजुल कर कार्य करें। सभी देशवासियों को रामनवमी के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं! यह त्योहार हमें न्याय,कर्तव्य और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम के जीवन से त्याग, समरसता और आदर्श जीवन-मूल्यों का अनमोल संदेश मिलता है।प्रधानमंत्री मोदी ने दी शुभकामनाएं- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राम मंदिर में पूजा करते हुए अपने वीडियो को शेयर करके लिखा, देशभर के मेरे परिवारजनों को रामनवमी की असीम शुभकामनाएं। त्याग, तप और संयम से भरे मर्यादा पुरुषोत्तम के जीवन से हमें हर परिस्थिति का पूरे सामर्थ्य से सामना करने की प्रेरणा मिलती है। उनके आदर्श अनंतकाल तक भारतवासियों के साथ-साथ संपूर्ण मानवता के पथ-प्रदर्शक बने रहेंगे। मेरी कामना है कि भगवान राम की कृपा से सबका कल्याण हो, जिससे विकसित और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की सिद्धि का मार्ग प्रशस्त हो।रक्षा मंत्री ने सभी के लिए शांति, समृद्धि, सुख का कामना की- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी राम नवमी पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने %क्स पर लिखा, प्रभु श्रीराम की कृपा से सभी के जीवन में शांति, समृद्धि और सुख का वास हो। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम का जीवन सत्य, त्याग, कर्तव्यनिष्ठा और लोककल्याण की सर्वोच्च प्रेरणा है। उनका आदर्श शासन, न्याय, समानता और जनकल्याण का प्रतीक रहा है, जो आज भी हमारे समाज और देश के लिए पथ प्रदर्शक है। आइए, हम भगवान राम के दिखाए मार्ग पर चलते हुए एक सशक्त, समरस, आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण का संकल्प लें। जय सिया राम।केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने दी शुभकामनाएं-वहीं, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने प्रधानमंत्री मोदी का वीडियो शेयर करते हुए लिखा, देश के सभी परिवारजनों को आस्था, मर्यादा और धर्म के पावन पर्व रामनवमी की अनंत शुभकामनाएं। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम का जीवन हमें सत्य, धर्म और कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उनकी कृपा से आपके जीवन में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहे।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने अखिलेश यादव पर किया पलटवार, बोले- सपा के गुंडों-माफियाओं पर चल रहा बुलडोजर

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने सपा के एक्स पर दिए गए बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि जिनका माफिया और दंगाइयों से नाता रहा है वो लोग बुलडोजर से डरते हैं।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि पीडीए का राग अलापने वाले सपाइयों को सच सुनने की आदत डालनी चाहिए। सपा का तथाकथित पीडीए सामाजिक न्याय का अभियान नहीं, बल्कि परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी है। इसका मकसद सिर्फ एक परिवार के राजनीतिक हितों और वंशवादी राजनीति को आगे बढ़ाना है।दरअसल, अखिलेश ने एक्स पर लिखा था कि %भाजपाइयों को सोते-जागते सिर्फ पीडीए ही सुनाई और दिखाई देता है। लोकसभा में हार की हताशा और आने वाले विधानसभा चुनाव में सत्ता से बाहर होने के डर से ये पीडीए का नाम सुनते ही कांपने लगे हैं।%इसी बयान पर पलटवार करते हुए चौधरी ने कहा कि बुलडोजर से डर उन्हें लगता है जिनका माफिया और दंगाइयों से नाता रहा है। पाले उन गुंडों और भू माफिया पर चल रहा है जिन्होंने वर्षों तक गरीबों का हक मारा और अवैध कब्जे किए। आज प्रदेश में कानून का राज है और अपराधियों पर कार्रवाई हो रही है। यही सपा को चुभ रहा है। सपा के जंगलराज में पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक ही सबसे ज्यादा प्रताड़ित हुए।

अखिलेश यादव का तंज, बोले- यूपी में एलपीजी का मतलब लापता गैस, भाजपा ने लोगों को लाइन में लगाया

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार ने एलपीजी संकट को लेकर कोई तैयारी नहीं की है। यूपी में एलपीजी का मतलब लापता गैस हो गया है। यूपी में एलपीजी की किल्लत को लेकर गैस एजेंसियों के सामने लगी लंबी लाइनों को लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने लोगों को लाइनों में लगाने के अलावा किया ही क्या है। अब मैं देख रहा हूं कि लोग पेट्रोल के लिए भी लाइनों में लगे हुए हैं। अखिलेश यादव बृहस्पतिवार को सपा मुख्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार ने एलपीजी संकट को लेकर कुछ भी तैयारी नहीं की। अब तो 14 किलो का सिलिंडर भी 10 किलो का आ रहा लेकिन उससे भी ज्यादा ली जा रही है। यूपी में एलपीजी का मतलब लापता गैस है। गैस न मिलने से लोगों को खाना बनाने के लिए गैस और चूल्हे का सहारा लेना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि एक कचौरी एक समोसा अब गैस पर न रहा भरोसा। सुना है कोयले पर चाय और रोटी अच्छी बनती है। कई लोग स्मोक्ड फूड पसंद करते हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने संसद में कोरोना का जिक्र किया है तो उनके पास जानकारी होगी। पड़ोसी देशों

ने एनर्जी सेविंग के लिए कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। जब तक भाजपा रहेगी देश को आत्मनिर्भर नहीं बनने देगी। उन्होंने यूपी सरकार के दिए गए बयान कि गैस की कोई कमी नहीं है पर कहा कि योगी की बातों में न आएं उनकी चलाचली की बेला है। वो योगी नहीं हैं। उन्होंने शंकराचार्य का अपमान किया है उनसे सावधान रहें।गोमती रिवर फ्रंट पर सम्राट अशोक की प्रतिमा लगाएंगे- अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी में सपा की सरकार आने पर हम गोमती रिवर फ्रंट पर सम्राट अशोक की भव्य प्रतिमा लगाकर उन्हें सोने के सिंघासन पर प्रतिष्ठित कराएंगे। उन्होंने बौद्ध धर्म को देश-विदेश में पहुंचाया। एमओयू को लेकर यूपी सरकार की पोल खुली- अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार निवेश के बड़े-बड़े दावे करती है। सुबह सुबह सीएम का ट्वीट अंग्रेजी में आया। कुछ दिन पहले उनकी पोल एक एमओयू को लेकर खुल गई। पूरे देश में उनकी चर्चा हुई। हम सभी एमओयू की जांच की मांग करते हैं। एमओयू करने वाली कंपनी का कोई फाइनेंशियल बैकग्राउंड नहीं है। भाजपा का राज इवेंट पर चलता है। हिटलर राज में एक प्रोपेगेंडा मंत्री था लेकिन भाजपा सरकार में केंद्र और प्रदेश के सभी मंत्री प्रोपोगेंडा मिनिस्टर हैं। सभी खुद को पीएम समझते हैं। नवरात्र खत्म हो रहे हैं लेकिन भाजपा अभी उधेड़बुन में है कि किसे मंत्री बनाएं? अब सरकार का कार्यकाल खत्म हो रहा है। भाजपा के लोग पीडीए से डरे हुए हैं सपा पीडीए को जोड़कर आगे बढ़ने जा रही है। महिला आरक्षण का मुद्दा सिर्फ ध्यान भटकाने के लिए, सपा देगी 40 हजार हर साल- अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा लोगों का ध्यान भटकाने के लिए महिलाओं के आरक्षण की बात कर रही है। इन लोगों ने यूपी विधानसभा और लोकसभा में कितनी महिलाओं को टिकट दिया। बंगाल में कितनी महिला उम्मीदवारों को टिकट दिया है। अब ध्यान भटकाने के लिए नई चीज लेकर आ रहे हैं जिससे उस पर बात हो। सपा की मांग है कि सभी जातियों की गिनती हो और उसी अनुपात में आरक्षण मिले। उन्होंने कहा कि सपा की सरकार आने पर महिलाओं के लिए स्त्री सम्मान समृद्धि योजना का शुभारंभ करेंगे। इसके तहत हर महिला को सालाना 40 हजार रुपये दिए जाएंगे। भारत ने विश्वगुरू बनने का मौका खोया- अखिलेश यादव ने कहा कि अमेरिका, इस्राइल और ईरान युद्ध में भारत ने विश्वगुरू बनने का मौका खोया है। हमने दोनों देशों से बड़ा व्यापार किया है। व्यापार के साथ डिप्लोमेसी चलती है।

कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने रामलला के दर्शन-पूजन किया, बोले- रामनवमी पर अयोध्या आना मेरा सौभाग्य

कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने रामलला के दर्शन-पूजन किया। इस मौके पर कहा कि रामनवमी पर अयोध्या आना मेरा सौभाग्य है।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता व मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह रामनवमी के अवसर पर रामनगरी अयोध्या पहुंचे। यहां पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। उन्होंने राम जन्मभूमि में रामलला के दर्शन-पूजन किया। साथ ही हनुमानगढ़ी में भी माथा टेका। महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत की।दिग्विजय सिंह ने कहा कि रामनवमी पर अयोध्या आना उनका सौभाग्य है। हमने देशवासियों के सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की। राम मंदिर विरोध के आरोपों को खारिज किया।उन्होंने कहा कि मंदिर निर्माण में 1,11,000 रुपये का सहयोग दिया। अंतरराष्ट्रीय मुद्दों (अमेरिका-ईरान तनाव, पेट्रोल-डीजल) पर टिप्पणी से इनकार किया। कहा कि धार्मिक यात्रा पर हूं। आज राजनीति की कोई बात नहीं।

जयशंकर के पाकिस्तान वाले बयान पर कांग्रेस ने उठाए सवाल, जयराम रमेश बोले- गले लगाने वाली कूटनीति फेल

जयशंकर के पाकिस्तान को दलाल देश कहने पर कांग्रेस ने मोदी सरकार की गले लगाने वाली कूटनीति को विफल बताया। कांग्रेस ने कहा कि आज पाकिस्तान मध्यस्थ बन रहा है और भारत कमजोर दिख रहा है। सरकार ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि भारत इस मामलो को लेकर पूरी तरह से सक्रिय है।पश्चिम एशिया संकट को लेकर हुई सर्वदलीय बैठक के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर के पाकिस्तान को दलाल देश कहने वाले बयान पर राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। कांग्रेस ने इस बयान को आधार बनाकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है और कहा है कि गले लगाने वाली कूटनीति पूरी तरह फेल हो चुकी है। कांग्रेस का आरोप है

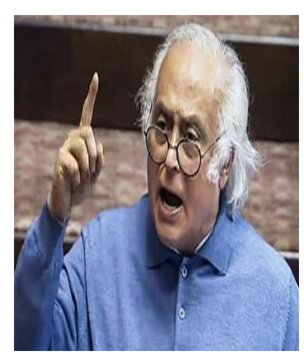

कि आज हालात ऐसे हो गए हैं कि एक कमजोर देश भी दलाल बनने की स्थिति में दिख रहा है, जो भारत की विदेश नीति पर सवाल खड़े करता है।सरकार की ओर से बैठक में कहा गया था कि पाकिस्तान की मध्यस्थता कोई नई बात नहीं है और वह 1981 से अमेरिका के लिए ऐसी भूमिका निभाता रहा है। विदेश मंत्री जयशंकर ने स्पष्ट किया कि भारत दलाल देश नहीं है और अपनी स्वतंत्र नीति पर चलता है। सरकार ने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप से कहा है कि इस्राइल और ईरान के बीच चल रहा युद्ध जल्द खत्म होना चाहिए क्योंकि इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है।कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि मोदी सरकार की गले लगाने वाली कूटनीति विफल रही है। उनका कहना है कि पहले जिन देशों के साथ नजदीकी दिखाई गई, उसी के बावजूद आज पाकिस्तान जैसे देश को मध्यस्थता का मौका मिल रहा है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने भी सवाल उठाया कि जब भारत ने रूस-यूक्रेन के बीच मध्यस्थता की कोशिश की थी, तब क्या भारत ब्रोकर देश था। उन्होंने इसे सरकार की दोहरी सोच बताया।

एअर इंडिया की लंदन जाने वाली फ्लाइट सात घंटे बाद दिल्ली लौटी, 1350 विमान में तकनीकी खराबी कारण

एअर इंडिया के एक और विमान में तकनीकी खराबी की खबर सामने आ रही है। खबर है कि लंदन जा रहे एक विमान में तकनीकी खराबी आने के बाद उसे दिल्ली लौटना पड़ा है।एअर इंडिया से जुड़ी एक और चिंता वाली खबर सामने आई है। गुरुवार दोपहर को एअर इंडिया की दिल्ली से लंदन के हीथ्रो जाने वाली उड़ान में तकनीकी खराबी आ गई। इसके कारण विमान को उड़ान भरने के घंटों बाद वापस दिल्ली लौटना पड़ा। इस घटना से यात्रियों को न केवल अप्रत्याशित असुविधा का सामना करना पड़ा बल्कि एयरलाइन के बेड़े में हाल ही में शामिल किए गए आधुनिक विमानों की हालत पर भी

सवाल खड़े हो गए।गुरुवार सुबह लगभग छह बजे, एअर इंडिया की उड़ान संख्या AI111 ने दिल्ली से लंदन के लिए उड़ान भरी थी। फ्लाइट ट्रैकिंग व`बसाइट Flightradarwy.com पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, विमान जब सऊदी अरब के हवाई क्षेत्र में था, तब इसे वापस मोड़ने का बड़ा निर्णय लिया गया। इस निर्णय से पहले विमान लगभग चार घंटे तक हवा में रह चुका था। वापसी की यात्रा को मिलाकर, यह विमान कुल सात घंटे तक हवा में रहने के बाद दोपहर करीब 12.30 बजे दिल्ली हवाई अड्डे पर सुरक्षित वापस उतर गया। सूत्रों ने जानकारी दी है कि उड़ान के दौरान विमान के अंदर कुछ आवाजें सुनी गई थीं, जिसके बाद यह मार्ग बदलने का फैसला किया गया। इस उड़ान में कुल कितने यात्री सवार थे, फिलहाल इसकी सटीक जानकारी नहीं मिल पाई है। एअर इंडिया ने आधिकारिक बयान में क्या कहा? इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए एअर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि विमान की वापसी का फैसला एहतियात के तौर पर लिया गया। सामने आने के बाद यह कदम उठाया गया।

संपादकीय Editorial

A Top-Up Meeting on Alternatives

Prime Minister Modi, for the first time since the Iran war, held discussions with 13 of his senior ministers to review the situation. The government is concerned and making efforts to ensure the uninterrupted supply and availability of essential commodities, including petrol, diesel, gas, fertilizers, and other essential commodities across the country. This is a welcome gesture. The Prime Minister has directed the formation of a group of ministers and secretaries to ensure coordination at all levels and minimize inconvenience to the common man. Discussions were also held on exploring alternative sources of imports and exports, as the Gulf countries will remain uncertain and unstable for India even after the war. Threats remain, so alternative supply chains are the only option. India has now attempted to establish alternatives from countries like Australia, New Zealand, Canada, Algeria, the Netherlands, and Norway. Prime Minister Modi has spoken by phone with the heads of state, heads of government, kings, and emirs of Iran, Israel, Malaysia, Jordan, Oman, Qatar, Kuwait, Saudi Arabia, and the United Arab Emirates. It is clear that the Prime Minister has shared his concerns and concerns and repeatedly advocated for peace, stability, and diplomacy. Heads of state and government from countries like France, Germany, Finland, Spain, and Switzerland have repeatedly urged Prime Minister Modi that India can successfully mediate between war-torn countries, as the United States, Israel, and Iran are India's allies. India is the world's largest market and a meaningful democracy, so India's role is universally accepted. India also chairs the BRICS countries, and as such, it can persuade those countries to play a significant role in a ceasefire. Prime Minister Modi should certainly make efforts in this regard. While the Prime Minister and ministers may have discussed various options, our curiosity, not a serious question, is why a country with a population of over 1.47 billion, even after 78 years of independence and sovereignty, has not become self-sufficient in crude oil, gas, and fertilizers. Smaller countries possess infinite reserves of oil and gas. Is India facing a "drought" in terms of oil and gas? The Petroleum Ministry has consistently revealed a 40 percent increase in LPG production. India already produces 40 percent of its LPG needs. If such an increase in LPG production can be achieved in just 20-22 days, we could produce 70-80 percent of our gas needs! The government must provide clarification on this. When the BJP came to power at the center in 2014, it stated in its manifesto that it would undertake comprehensive reforms in energy security and production. Today, India has to import approximately 88.6% of its crude oil, 60-66% of its gas, and approximately 65% ??of its fertilizers. The situation has only worsened. Why is India so dependent and needy that the closure of a sea route due to war causes a gas crisis in the country? India's import bill could reach ?105,000 crore. Undoubtedly, there is a serious shortage of domestic and commercial LPG in the country. The government also acknowledges the situation is worrying. This statement comes from Sujata Sharma, Joint Secretary of the Ministry of Petroleum and Natural Gas. Hoarding and black marketing of LPG is ingrained in our culture. We have always considered it a part of business. What legal action has been taken against the "black sheep" who seized the gas cylinders during the raids? Why hasn't the NSA been imposed on them?

The Challenge of Avoiding the Heat of War

India is the world's third-largest pharmaceutical producer and the number one producer of generic medicines. India has foreign exchange reserves of over $700 billion, enabling it to easily weather any economic risk. The government is ensuring uninterrupted supplies of essential commodities. India has large food and foreign exchange reserves. A 'Relief' scheme has been launched to provide relief to exporters. In view of the West Asia crisis, a meeting of the Cabinet Committee on Security, chaired by the Prime Minister, considered all possible measures to ensure the availability of essential necessities such as petrol, diesel, gas, electricity, fertilizers, etc. Since the war in West Asia is affecting the entire world, it is natural for the government to focus on ensuring uninterrupted supplies, stable logistics, and efficient distribution across the country. The Modi government will need to coordinate appropriately with states to prevent black marketing and hoarding of essential commodities. Additionally, new efforts will be made to promote the export of Indian goods, including developing new export destinations. The protracted war in West Asia is increasing the economic challenges for India, as well as the world. A recent report by Goldman Sachs lowered India's growth forecast for the fiscal year 2026-27 from 7 percent to 6.5 percent. ICICI Bank has also reduced its growth forecast for India from 7.5 percent to 7 percent. According to rating agencies, rising global crude oil prices and supply disruptions are expected to significantly increase India's energy import bill. Furthermore, challenges related to declining exports and rising inflation are also threatening the Indian economy's balance sheet. The escalating war between Iran and the US and Israel is exacerbating the disruption of the supply of cooking gas and commercial gas cylinders in many parts of the country. Exporters are also facing difficulties. The Sensex is declining and the rupee is depreciating against the dollar. Investors are withdrawing funds from the Indian market. The war is also beginning to impact India's financial markets. Investor wealth has declined, and the market capitalization (m-cap) of Indian companies has declined sharply. The previous such decline was seen in March 2020 during the COVID-19 pandemic. However, even amid the impact of the war, India possesses some significant economic advantages that are likely to protect the country's growth rate from a significant setback. The government has implemented the Essential Commodities Act and taken several strategic measures to control inflation and mitigate its impact on the common man, including increasing buffer stocks for essential food items, strategically selling food grains purchased in the open market, and facilitating essential imports. To provide relief to exporters, it has introduced the Resilience and Logistics Intervention for Export Facilitation (RELIEF) scheme. This scheme aims to assist exporters facing increased freight costs and insurance premiums, as well as war-related export risks. MSME exporters will be particularly benefited under this scheme. The government will also cover the insurance costs for goods exported to Gulf countries. It is also noteworthy that following diplomatic talks between India and Iran, Iran has allowed Indian-flagged oil and gas tankers to safely pass through the Strait of Hormuz. Despite rapidly rising global crude oil prices, the price of petrol and diesel has remained unchanged. Retail inflation is below the Reserve Bank's target of 4%. The country's vast food grain reserves, strategic reserves for petrol and diesel supplies, and adequate stocks of essential medicines are all visible as India's economic strengths. While record food grain production guarantees food for the common man, it also serves as the basis for food grain supply to many needy countries. Last year, a record production of 357 million tonnes of food grains was achieved, and this year, even higher production is expected. The Food Corporation of India estimates that approximately 18.2 million tonnes of wheat will be available in the central pool by April 2026. Currently, free food grains are being distributed to more than 800 million vulnerable people in the country. Six years ago, our food grain reserves were a major support in the fight against COVID. At a time when the Iran and Israel-US wars are driving up global food prices and disrupting food supplies, India's record food grain production is a welcome relief. India is working on alternative strategies to increase crude oil purchases from the US and Russia, among other countries. Previously, India purchased crude oil from 27 countries. Now, this number has increased to 40. Concerns regarding essential medicines are also reduced amid the war. India is the world's third-largest pharmaceutical producer and ranks first in generic medicine production. India has foreign exchange reserves of over $700 billion, enabling it to easily weather any economic risks.

The Muslim Mind's Confusion

Pakistan maintains silence over the hundreds of Muslims killed in airstrikes in Afghanistan. Will this dilemma deepen in the future or take a new turn with the changing global reality? Indian Muslims are deeply conflicted by Iran's attacks. Disillusioned by Saudi Arabia's liberal reforms, the Muslim community is deeply connected to the Khilafat movement. The war between the US, Israel, and Iran has transformed West Asia into a battlefield. This is the first time in the past century that Muslims in the Indian subcontinent are at a loss. This is because, until now, they had a clear understanding of the so-called "threat" to Islam. Many Muslims sympathize with Iran, but they are unable to openly support this war because Iran, in response, is also injuring declared Islamic countries in West Asia and the Gulf with its airstrikes. Where should they go now? The Gulf countries bearing the brunt of Iran's wrath include the UAE, Qatar, Kuwait, Oman, Bahrain, Iraq, and Jordan, as well as Saudi Arabia, where Prophet Muhammad was born centuries ago, Islam took its religious form, and the Quran was revealed.

The holy Mecca and Medina are located here. Why aren't many Muslims in the Indian subcontinent calling Iran's aggression against Saudi Arabia and other Muslim countries an "attack on Islam"? The answer lies in the current political direction and leadership of the Gulf countries. Saudi Arabia's ruler, Mohammed bin Salman (MBS), whose family is the custodian of Mecca and Medina, has consistently blamed Iran's policies and its 1979 Islamic Revolution for the growing intolerance in the Islamic world since 2017. Ironically, Saudi Arabia has also been guilty of the very thing MBS is blaming Iran for. The Saudi regime has long opposed Sufism, Shia traditions, and the shrine tradition, enforcing a rigid interpretation of "Tawhid" (monotheism) influenced by radical Wahhabi-Salafi ideology. Powered by the petro-dollar, Saudi Arabia heavily funded mosques, madrasas, and Islamic institutions globally to spread this ideology. In the 1980s, the US, with the support of Saudi Arabia and Pakistan, promoted jihad in Afghanistan against the Soviet Union. Jihadist organizations like Al Qaeda and the Islamic State draw inspiration from the Wahhabi-Salafi ideological indoctrination. However, in the changing global landscape of the 21st century, the rise of alternative energy sources, the proliferation of electric vehicles, and structural changes in the global economy, Saudi Arabia seeks to break free from its medieval mindset and build a pragmatic, liberal, and coexistent society. Under MBS's leadership, Saudi Arabia is no longer a purely Sharia-based Islamic country. Upon assuming power, he declared, "We will not spend the next 30 years of our lives grappling with destructive ideas. We will eradicate them." Consequently, over the past decade, Saudi Arabia has been undergoing social reforms that are forbidden (haram) from a strictly Islamic perspective. These include promoting leisure tourism, allowing women to drive without a male guardian, increasing their participation in work, and reforming labor laws. Regulations that pose significant obstacles to coexistence are also being reformed. Two years ago, a grand Swaminarayan temple was built in the neighboring UAE. Bahrain has also allocated land for a Hindu temple. Indeed, after centuries, Gulf countries, including Saudi Arabia, are breaking free from the shackles of radical Islam. As Arab countries transform themselves into liberal, tolerant, and modern, a segment of Muslims in the Indian subcontinent is becoming disillusioned with these countries. It is important to understand the historical context of this. During World War I, when Britain invaded Turkey, whose ruler held the title of Caliph in the Islamic world, only the Muslims of undivided India agitated for the restoration of the Caliphate, in what we know as the bloody "Khilafat Movement." Southeast Asia (including Indonesia and Malaysia), where a significant number of Muslims resided, remained unaffected by the Khilafat Movement. The reasons for this are clear. Islam's spread in the Indian subcontinent was primarily through external invaders, leading to a strong political-imperialist consciousness among its Muslims. Whereas in Southeast Asia, this process developed through more peaceful trade and cultural exchange. Most Muslims in the Indian subcontinent are not only disconnected from their pre-Islamic roots but also despise them, whereas most Muslims in Southeast Asia maintain local cultural continuity. At that time, Indian Muslims saw the Ottoman Caliphate as a global Islamic power. At that time, the Muslim elite came to believe that defending the Caliphate was essentially an attempt to revive the Islamic flag in India, leading to massacres of Hindus in many parts of the country, including Malabar. In contrast, the question of Turkiye was a distant one for the Muslim communities of Southeast Asia. The gradual decline of Turkiye since World War I and the intervention of Western powers transformed the political geography of West Asia, giving rise to several Islamic countries. After World War II, the United States signed an "oil-for-security" agreement with Saudi Arabia and has strategic relations with almost all Gulf countries. This entire scenario is reflected in the Indian context. This exposes the deep internal conflict among Muslims in the subcontinent. The same Muslim community that reacts sharply to the Gaza incident or the US-Israeli bombing of Iran remains silent on the hundreds of Muslims killed in Pakistan's airstrikes in Afghanistan. Will this dilemma deepen in the future or take a new turn with the changing global reality?

पत्नी बनी पराई, मजहबी सरहदें लांघ कर मुस्लिमों ने दी तेजपाल को अंतिम विदाई; अंजान ने निभाया बेटे जैसा फर्ज

पत्नी पराई बन गई। मजहबी सरहदें लांघ कर मुस्लिमों ने तेजपाल को अंतिम विदाई दी। बेझिझक कांधा देकर रामगंगा तक अर्थी पहुंचाई। अंजान युवक ने मुखाग्नि देकर बेटे जैसा फर्ज निभाया।हिंदू-मुस्लिम एकता की कई मिसालें पेश कर चुके अगवानपुर में बुधवार को गंगा-जमुनी तहजीब का एक और बड़ा उदाहरण सामने आया। पत्नी समेत अपनों की बेरुखी का लंबे समय से सामना कर रहे 76 वर्षीय तेजपाल सिंह ने अंतिम सांस ली तो भी उनके अपनों का दिल नहीं पसीजा। तलाकशुदा पत्नी के आने से इन्कार और गांव में कोई रिश्तेदार न होने से कस्बे के एक हिंदू युवक ने अपने हाथों उनकी अंत्येष्टि व मुखाग्नि का जज्बा दिखाया। साथ ही कस्बे के तमाम मुस्लिमों ने हिंदुओं के कंधे से कंधे मिलाकर बुजुर्गवार को ससम्मान अंतिम विदाई दी। इस प्रक्रिया पर होने वाले खर्च के चंदे में भी मुस्लिम भाइयों ने बिना संकोच योगदान दिया। बिजनौर जिले के मूल निवासी तेजपाल एक दौर में अगवानपुर पेपर मिल में इलेक्टीशियन का काम करते थे। इस काम के चलते ही वह अगवानपुरवासी बन गए थे। सन 97 में मिल में एक हादसे के दौरान उनकी टांगों में गंभीर चोट आई और देखते-देखते वह दिव्यांग हो गए। रोजगार का रास्ता बंद हो गया। आपसी मतभेद के कारण तेजपाल की पत्नी से भी दूरी बनती चली गई और मामला तलाक के फैसले तक पहुंच गया। संतान के नाम पर एकमात्र बेटी भी अपनी मां के साथ चली गई।

इसके बाद अकेले तेजपाल का सहारा बना एक मुस्लिम परिवार। अगवानपुर के आसिफ नामक शख्स ने पूरी तरह एकाकी हुए तेजपाल के खाने-नाश्ते की व्यवस्था अपने घर से शुरू करा दी। यही नहीं जरूरत पड़ने पर उनके लिए दवा का इंतजाम भी यही परिवार करता और बदले में कोई पैसा कभी नहीं लिया। बुधवार की सुबह करीब 10 बजे आसिफ का बेटा दस वर्षीय अमान रोज की तरह उनके लिए खाना लेकर गया।

आवाज देने पर भी न दरवाजा खुला, न भीतर से जवाब आया। घबराए अमान ने पड़ोसी को बताया। दोनों ने सटे मकान की छत से घर में झांका तो तेजपाल टॉयलेट में अचेत अवस्था में गिरे नजर आए। तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। चौकी प्रभारी कुलदीप शर्मा सिपाहियों के साथ आए। दरवाजा तोड़कर पुलिस भीतर दाखिल हुई तो देखा कि तेजपाल की सांसें थम चुकी थीं। पुलिस ने उनकी पत्नी और पैतृक गांव में फोन कर घटना की सूचना दी लेकिन पत्नी ने तलाक का हवाला देकर आने से इन्कार कर दिया। गांव से बताया गया कि उनके माता-पिता गुजर चुके हैं, जबकि कोई भाई-बहन है नहीं। गांव में उनका कोई खानदानी भी नहीं है।

इसके बाद आगे आए अगवानपुर के इंसानी रिश्तों की कद्र करने वाले लोग। हिंदू-मुस्लिम का फर्क मिटाकर दोनों समुदाय के कई जिम्मेदार लोगों ने आपसी आर्थिक सहयोग से उनकी अर्थी और अंत्येष्टि का सामान जुटाया। हिंदू परंपराओं के अनुसार विधिवत अर्थी तैयार करके अंतिम यात्रा निकाली और रामगंगा किनारे श्मशान की तरह इस्तेमाल होने वाले स्थान पर उनका दाह संस्कार किया।

कस्बे में ही रहने वाले मोनू ने मुखाग्नि की रस्म निभाई। अंतिम विदाई देते समय न सिर्फ बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग मौजूद थे, बल्कि अर्थी को कांधा देने में भी पीछे नहीं रहे। दो धर्मों के बीच बात-बात पर विवाद और नफरत फैलाने की बढ़ती प्रवृत्ति के बीच यह घटना अगवानपुर ही नहीं आसपास के क्षेत्र में भी चर्चा का विषय बनी है।

पूर्व में रमजान के दौरान नवरात्र की शुरुआत के वक्त भी दोनों धर्मों के लोगों ने एक-दूसरे की पूजा-इबादत में पूरी तरह सहयोगी रुख रखा था। कांवड़ यात्रा के दिनों में मुस्लिमों द्वारा शिवभक्तों पर पुष्प वर्षा जैसे उदाहरण भी सामने आए थे।

आसिफ का परिवार 15 वर्ष से कर रहा था सेवा-मजहबी दायरे में सिमटने के बजाय एक बुजुर्ग की सेवा में दरियादिली दिखाने वाले आसिफ की तेजपाल सिंह से नजदीकी की कहानी भी काफी दिलचस्प है। कस्बे के लोगों ने बताया कि साल 2011 में तेजपाल ने अगवानपुर स्थित अपना मकान बेचा था, जिसे आसिफ ने खरीदा था। मकान बेचने के बाद तेजपाल एक परिचित के साथ कहीं चले गए थे। कुछ दिन बाद ही वापस आ गए और आसिफ से अपने बेचे मकान में ही रहने की इच्छा जताई। आसिफ ने न सिर्फ इस पर सहमति जताई बल्कि उनके नाश्ते-खाने के इंतजाम की जिम्मेदारी भी अपने परिवार को दे दी। इस परिवार ने दूसरे धर्म के अंजान से बने इस अपनेपन के रिश्ते को तेजपाल की अंतिम सांस तक निभाया भी।

... इसी मकान से उठेगी मेरी अर्थी- कस्बे के लोगों ने बताया कि जब तेजपाल सिंह ने बेचने के बाद भी अपने मकान में रहने की ख्वाहिश आसिफ से साझा की तो कहा था...मैं यहीं रहूंगा, मेरी अर्थी इसी मकान से उठेगी। आसिफ और कस्बे के बड़े दिलवाले मुस्लिमों ने उनकी इस बात का पूरा सम्मान रखा। हर किसी को अखरी विधिवत श्मशान घाट न होने की कमी- अगवानपुर के लोगों ने बताया कि कस्बे में हिंदू शवों के दाह संस्कार के लिए विधिवत श्मशान या कोई निर्धारित स्थान नहीं है। रामगंगा किनारे किसी भी उबड़-खाबड़ स्थान पर लोगों को अंत्येष्टि के लिए मजबूर होना पड़ता है। रामलीला कमेटी के अध्यक्ष वरुण गुप्ता ने नाराजगी जताते हुए कहा कि श्मशान घाट न होने से नदी किनारे कच्चे या गड्ढों जैसे स्थानों पर अंत्येष्टि करनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में सैकड़ों बीघा सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे हैं लेकिन जिम्मेदार श्मशान के लिए भूमि उपलब्ध नहीं करा रहे। इसकी वजह से विधिवत श्मशान के लिए रिलीज बजट वापस हो जाता है।

गैंगस्टर एक्ट में पूर्व ब्लॉक प्रमुख ललित कौशिक समेत तीन को सजा, भेजे गए जेल

गैंगस्टर एक्ट केस में मूंढापांडे के पूर्व ब्लॉक प्रमुख एवं हिस्ट्रीशीटर ललित कौशिक समेत तीन को सजा सुनाई गई है। इसके बाद तीनों को जेल भेज दिया गया है।एडीजे-पांच/स्पेशल न्यायाधीश (गैंगस्टर एक्ट) रेशमा की अदालत ने गैंगस्टर एक्ट के मामले में मूंढापांडे के पूर्व ब्लॉक प्रमुख एवं हिस्ट्रीशीटर ललित कौशिक समेत तीन को दोषी करार दिया है। बृहस्पतिवार सजा सुनाए जाने के बाद उसे जेल भेज दिया गया है।सिविल लाइंस के रामगंगा विहार में 12 जनवरी 2022 को स्पोर्ट्स सामान के कारोबारी कुशांक गुप्ता की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने दीन दयाल नगर निवासी पूर्व ब्लॉक प्रमुख ललित कौशिक, पाकबड़ा के गिंदौड़ा निवासी केशव सरन शर्मा और भोजपुर के हुमायूंपुर निवासी खुशवंत उर्फ भीम को गिरफ्तार किया था।पुलिस ने दावा किया था कि ललित कौशिक ने सुपारी देकर आरोपी शूटर भीम और केशव से कुशांक गुप्ता की हत्या कराई थी। इसके बाद पुलिस ने सिविल लाइंस थाने में तीनों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट में रिपोर्ट दर्ज की थी। बुधवार को इस मामले में सुनवाई हुई। मुख्य आरोपी ललित कौशिक को बलरामपुर जेल और खुशवंत सिंह उर्फ भीम को मुरादाबाद जेल से तलब किया गया। उधर, केशव जमानत पर चल रहा था, वह भी कोर्ट में हाजिर हुआ। अदालत ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद तीनों आरोपी ललित कौशिक, केशव और खुशवंत उर्फ भीम को गैंगस्टर एक्ट में दोषी करार दिया। बृहस्पतिवार को तीनों को जेल भेज दिया गया।

शिक्षण संस्थानों में नेटवर्क खड़ा कर रहा था हारिश, पूछताछ में संदिग्ध आतंकी हारिश के चौंकाने वाले खुलासे

संदिग्ध आतंकी हारिश ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। हारिश शिक्षण संस्थानों में नेटवर्क खड़ा कर रहा था। हारिश मुरादाबाद के अलावा, गाजियाबाद, मेरठ, नोएडा के बड़े-बड़े कॉलेजों में अपना नेटवर्क खड़ा कर रहा था। संदिग्ध आतंकी हारिश केवल एक कॉलेज तक सीमित नहीं था, वह मुरादाबाद समेत पश्चिम उत्तर प्रदेश के कई शिक्षण संस्थानों में अपना नेटवर्क खड़ा कर रहा था। वह आकाओं से मिले निर्देश पर शिक्षण संस्थानों के छात्रों को अपने साथ छोड़ रहा था। यह बात एटीएस की पूछताछ में सामने आई है।सहारनपुर निवासी हारिश मुरादाबाद के एक कॉलेज से बीडीएस कर रहा था। वह कॉलेज के ही हॉस्टल में शामली निवासी छात्र के साथ रहता था। वह ज्यादा समय कमरे में ही रहता और मोबाइल व लैपटॉप पर देर रात तक व्यस्त रहता था। ऑनलाइन ही आईएस के संपर्क में आया था। एटीएस ने उसकी गतिविधियों पर नजर रखनी शुरू कर दी थी। 15 मार्च को लखनऊ से आई एटीएस ने हारिश को गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद उसे लखनऊ ले गई थी। एटीएस ने मंगलवार को उसे पांच दिन की रिमांड पर लिया है। पूछताछ में सामने आया है कि हारिश मुरादाबाद के अलावा, गाजियाबाद, मेरठ, नोएडा के बड़े-बड़े कॉलेजों में अपना नेटवर्क खड़ा कर रहा था। वहां के छात्रों को अपने साथ छोड़ रहा था। वह अपने साथ छात्रों की एक बड़ी फौज तैयार कर रहा था। एटीएस ने इसके अन्य साथियों की तलाश भी शुरू कर दी है। क्रिप्टो करेंसी के जरिये हो रही थी टेरर फंडिंग, बम बनाना भी सीख रहा था हारिश टेरर फंडिंग के लिए क्रिप्टो करेंसी के जरिये रकम जुटा रहा था। बीते दो वर्षों के दौरान हारिश और उसके करीबियों के बैंक खातों में क्रिप्टो करेंसी के जरिये लाखों रुपये भेजे गए थे। हारिश को पुलिस कस्टडी रिमांड पर लेकर एटीएस द्वारा की जा रही पूछताछ में इसका खुलासा हुआ है। एटीएस उसके करीबियों का पता भी लगा रही है। सहारनपुर निवासी हारिश ने नीट की तैयारी के साथ ही आईएस की जिहादी गतिविधियों में रुचि लेनी शुरू कर दी थी। उसके मोबाइल की जांच में इसके पुख्ता प्रमाण मिले हैं। वह बम बनाने का ऑनलाइन प्रशिक्षण भी हासिल कर रहा था। इसके लिए उसके हैंडलर्स ने कई वेबसाइट के लिंक भेजे थे। साथ ही उससे टेरर फंडिंग के लिए अपने साथियों की मदद लेने को कहा, जिसके बाद क्रिप्टो करेंसी के जरिये फंडिंग जुटानी शुरू कर दी। एटीएस ने जब उसके मोबाइल और लैपटॉप की फॉरेंसिक जांच कराई तो उसके हैंडलर्स के आईपी एड्रेस सीरिया, पाकिस्तान व अफगानिस्तान के आसपास के मिले। एटीएस हारिश के ग्रुप से जुड़े अन्य युवाओं को भी तलाश रही है, जिसमें कई नाबालिग भी हैं।

ईरानी संकट के बीच स्प्रिंग फेयर के ऑर्डर पर चिंता बरकरार

मुरादाबाद। पिछले माह आयोजित स्प्रिंग फेयर में पीतलनगरी के निर्यातकों और विदेशी बायर्स के बीच हुए ऑर्डर को लेकर चल रही चर्चाओं पर अब पश्चिम एशिया में बढ़े तनाव और ईरानी संकट का असर दिख रहा है। निर्यातकों का कहना है कि फेयर के दौरान जिन ऑर्डरों को लेकर सकारात्मक बातचीत हुई थी, उनमें से कुछ गल्फ देशों के ऑर्डर फिलहाल होल्ड पर चले गए हैं। इससे निर्यातकों की चिंता बरकरार है। मेटल हैंडीक्राफ्ट एक्सपोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नावेद उर रहमान ने बताया कि स्प्रिंग फेयर के दौरान कई देशों के बायर्स के साथ ऑर्डर को लेकर अच्छी बातचीत हुई थी। हालांकि हालिया ईरानी संकट के चलते गल्फ क्षेत्र के कुछ बायर्स ने ऑर्डर को फिलहाल रोक दिया है या निर्णय टाल दिया है। वहीं यूरोप, अमेरिका और अन्य देशों से आने वाले ऑर्डर पर अभी तक कोई खास असर नहीं पड़ा है

और वहां की मांग सामान्य बनी हुई है। फेयर का आयोजन फरवरी में होना निर्यातकों के लिए राहत की बात रहा। यदि यह आयोजन मार्च या अप्रैल में होता तो मौजूदा हालात के चलते निर्यातकों को काफी नुकसान उठाना पड़ सकता था और कई संभावित ऑर्डर प्रभावित हो जाते।लघु उद्योग भारती के प्रदेश महामंत्री अमित अग्रवाल ने बताया कि स्प्रिंग फेयर के दौरान जिन बायर्स से ऑर्डर को लेकर बातचीत हुई थी, उनमें से कई ऑर्डर अभी प्रोसेस में थे। लेकिन पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण अब इन ऑर्डरों को अंतिम रूप लेने में समय लग रहा है। उनका कहना है कि निर्यातक उम्मीद कर रहे हैं कि हालात सामान्य होने के बाद ये ऑर्डर दोबारा गति पकड़ेंगे। मुरादाबाद के पीतल और मेटल हैंडीक्राफ्ट उत्पादों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूत मांग है। ऐसे में यदि वैश्विक हालात स्थिर रहते हैं तो आने वाले महीनों में निर्यात गतिविधियों में फिर से तेजी देखने को मिल सकती है। मुरादाबाद से 11 हजार करोड़ का निर्यात- मुरादाबाद से हर साल करीब 11 हजार करोड़ रुपये के पीतल और अन्य मेटल उत्पादों का निर्यात विभिन्न देशों में किया जाता है। इसमें करीब 25 से 30 प्रतिशत निर्यात गल्फ देशों में होता है। ऐसे में पश्चिम एशिया में पैदा होने वाली किसी भी तरह की अस्थिरता का असर पीतलनगरी के निर्यात कारोबार पर हर बार पड़ने की आशंका रहती है।

संक्षिप्त समाचार

सपा के प्रदेश सचिव सुरेंद्र सागर को आरडीए ने भेजा नोटिस

रामपुर। सपा के प्रदेश सचिव सुरेंद्र सागर की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। आरडीए (रामपुर डेवलपमेंट अथॉरिटी) ने उनके आदर्श कॉलोनी स्थित मकान का नक्शे से अधिक निर्माण बताते हुए नोटिस जारी किया है। वहीं, बुधवार को प्रशासनिक टीम ने उनके गन हाउस का निरीक्षण किया और संबंधित प्रपत्र अपने कब्जे में लिए हैं।इससे पहले जिला प्रशासन सुरेंद्र सागर से जुड़े तीन पेट्रोल पंपों पर कार्रवाई कर चुका है। यह मामला उनके बेटे हिमांशु सागर और भतीजे नितिन से जुड़ा है। 14 जनवरी की रात इंडियन ऑयल कंपनी के फील्ड ऑफिसर अनिल कुमार के घर के बाहर खड़ी कार पर फायरिंग हुई थी। पुलिस जांच में आरोपियों के रूप में हिमांशु और नितिन के नाम सामने आए। दो माह पहले दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था, और अब वे जमानत पर रिहा हैं।इस घटना के बाद पुलिस ने सुरेंद्र सागर की पिस्टल का लाइसेंस निरस्त कर दिया था और उनसे जुड़े तीन पेट्रोल पंप पर कार्रवाई की थी। अब आरडीए ने आदर्श कॉलोनी स्थित आवास में नक्शे से अधिक निर्माण को लेकर उनसे जवाब मांगा है। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि दिसंबर में इस संबंध में नोटिस दिया गया था, जिसका रिमाइंडर भेजा गया है। गन हाउस की जांच कर प्रपत्र कब्जे में लेकर आगे की जांच की जा रही है। सपा नेता सुरेंद्र सागर का कहना है कि वह फिलहाल लखनऊ में हैं और उन्हें नोटिस व गन हाउस जांच की जानकारी है। वह डीएम से मिलकर बात करेंगे।

मां दुर्गा की भव्य शोभायात्रा निकली, फूल और गुलाल से स्वागत

बिलासपुर। क्षेत्र के ग्राम सदराखेड़ा में बुधवार को नवरात्र के अवसर पर ग्रामीणों ने मां दुर्गा की भव्य शोभायात्रा निकाली। श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा का जगह-जगह फूल व गुलाल बरसाकर स्वागत किया। इसके बाद देवी स्थल पर प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की गई।बुधवार सुबह श्रद्धालु गांव के देवी स्थल पर एकत्र हुए, जहां से मां दुर्गा की प्रतिमा की शोभायात्रा शुरू हुई। शोभायात्रा पूरे गांव में भ्रमण करने के बाद पुनः देवी स्थल पहुंचकर संपन्न हुई। यात्रा के दौरान श्रद्धालु बैंडबाजों की धुन पर भक्ति नृत्य करते हुए चल रहे थे और जयकारे लगा रहे थे। जगह-जगह लोगों ने फूल और अबीर-गुलाल बरसाकर स्वागत किया।मां दुर्गा की सुसज्जित झांकी के समक्ष श्रद्धालुओं ने माथा टेककर आशीर्वाद लिया और प्रसाद ग्रहण किया। इसके बाद विद्वान ब्राह्मणों ने मंत्रोच्चारण के साथ प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा कराई। भजन-कीर्तन के उपरांत प्रसाद वितरण किया गया। इस मौके पर ग्राम प्रधान परमजीत कौर, जोगेंद्र सिंह बिट्टू, कमल सिंह यादव, रंजीत सिंह दिबाकर, शकुंतला देवी, किशन लाल, हुकुम सिंह, द्रोपदी देवी, भूकन लाल आदि मौजूद रहे।

व्यापारियों ने फिर उठाई मेडिकल कॉलेज की मांग

रामपुर। उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के पदाधिकारियों ने एक बार फिर जिले में मेडिकल कॉलेज बनवाने की मांग की है। व्यापारी बुधवार सुबह करीब 11 बजे तिलक नगर कॉलोनी में जमा हुए।

इसके बाद एक प्रतिनिधिमंडल ने सीएमओ दीपा सिंह से मुलाकात कर अपनी मांग रखी।युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश अग्रवाल ने कहा कि रामपुर की जनता को स्वास्थ्य हित को ध्यान में रखते हुए मेडिकल कॉलेज की शुरुआत होना आवश्यक है। बेनजीर व जगतपुर गांव की लगभग 100 बीघा जमीन मेडिकल कॉलेज को हस्तांतरित होनी थी, जिसके लिए प्रस्ताव पूर्व में जा चुका है लेकिन लापरवाही के कारण लंबे समय बाद भी मेडिकल कॉलेज के नाम भूमि दर्ज नहीं हुई है।साथ ही पीपीई मॉडल पर स्वीकृत कराए गए मेडिकल कॉलेज के संचालन व इंवेस्टमेंट करने वाली फर्म को भी प्रदर्शित किया जाना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि उप मुख्यमंत्री से व्यापार मंडल तीन बार मिलकर मेडिकल कॉलेज शुरू करवाने का प्रयास कर चुका है लेकिन स्वास्थ्य विभाग ने इसको अभी गंभीरता से नहीं लिया है।

इस मौके पर मंडल अध्यक्ष अब्दुल बासिक, जिलाध्यक्ष राजीव शर्मा, प्रदेश मंत्री पप्पू खां ,संरक्षक शाहिद मामू, संगठन मंत्री गोपाल शर्मा, राहुल सैनी, जमीर आदि मौजूद रहे।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

सरकारी जमीन पर कब्जे का आरोप, चकरोड बंद होने से पीड़िता परेशान

♦ पांच बार शिकायत के बावजूद नहीं मिली राहत, अब मंडलायुक्त से लगाई न्याय की गुहार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। सरकार भले ही सबका साथ, सबका विकास का नारा दे रही हो, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही तस्वीर बयां कर रही है। ताजा मामला थाना हाफिजगंज क्षेत्र के गांव अल्हैय्या का है, जहां की निवासी सोमप्रभा ने गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता के अनुसार, ग्राम प्रधान की सह पर सरकारी चकरोड पर अवैध रूप से दीवार खड़ी कर दी गई है, जिससे आम रास्ता पूरी तरह बंद हो गया है। इस समस्या

को लेकर उन्होंने पांच बार समाधान दिवस में शिकायत दर्ज कराई, लेकिन हर बार स्थानीय अधिकारियों द्वारा फर्जी रिपोर्ट लगाकर मामले को दबा दिया गया। न्याय न मिलने से निराश पीड़िता ने अब मंडलायुक्त को लिखित शिकायत देकर साक्ष्यों के साथ कार्रवाई की मांग की है। बताया जा रहा है कि जैसे ही इस शिकायत की भनक स्थानीय अधिकारियों को लगी, प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है। अब देखना होगा कि मंडलायुक्त स्तर से इस मामले में क्या कार्रवाई होती है और पीड़िता को न्याय मिल पाता है या नहीं।

आईसीएआई बरेली शाखा द्वारा बैंक ऑडिट पर सेमिनार, विशेषज्ञों ने साझा किए महत्वपूर्ण अनुभव

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । The Institute of Chartered Accountants of India (ICAI) की बरेली शाखा (CIRC) द्वारा बैंक ऑडिट विषय पर एक महत्वपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक सेमिनार का आयोजन किया गया। आगामी बैंक ऑडिट सत्र को ध्यान में रखते हुए आयोजित इस कार्यक्रम में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को बैंक ऑडिट से जुड़े व्यावहारिक, तकनीकी और नियामकीय पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में यूपी ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक नीरज टंडन उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि बदलते बैंकिंग परिवेश में ऑडिटर्स की भूमिका लगातार महत्वपूर्ण होती जा रही है। उन्होंने पारदर्शी और मजबूत बैंकिंग प्रणाली के लिए गुणवत्तापूर्ण ऑडिट को आवश्यक बताया और बैंक एवं ऑडिटर्स के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया।

सेमिनार के प्रथम सत्र में सीए अनिरुद्ध तिवारी ने बैंक ऑडिट की योजना, जोखिम आधारित दृष्टिकोण, एनपीए की पहचान, आय की मान्यता और प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि ऑडिट के दौरान सतर्कता और सही प्रोफेशनल जजमेंट अत्यंत आवश्यक है।

द्वितीय सत्र में सीए राजीव गुप्ता ने बैंक ऑडिट के तकनीकी पहलुओं और रिपोर्टिंग आवश्यकताओं को समझाया। उन्होंने कृषि ऋण, एलएएफआर (LFAR), डॉक्यूमेंटेशन और बदलते नियामकीय प्रावधानों पर प्रकाश डाला।

साथ ही डिजिटल बैंकिंग के दौर में ऑडिटर्स को अपडेट रहने की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सीए अरुण अग्रवाल ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि बैंक ऑडिट में पारदर्शिता, निष्पक्षता और नैतिक मूल्यों का विशेष महत्व है तथा सदस्यों को निरंतर ज्ञानवर्धन की दिशा में कार्य करना चाहिए।

इस अवसर पर शाखा के अध्यक्ष सीए नीरज अग्रवाल, सचिव सीए गौरव अग्रवाल, उपाध्यक्ष सीए विनीश अरोड़ा सहित सीए अमित टंडन, प्रदीप तिवारी, रीतेश अग्रवाल, राजन विद्यार्थी, दीपक मंगल, मोहम्मद नज़र, मनोज माहेश्वरी, शुभम मिश्रा और साहिल गुप्ता समेत कई सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता की और प्रश्नोत्तर सत्र के माध्यम से अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया, जिससे सेमिनार और अधिक प्रभावी बन गया।

अंत में आयोजकों द्वारा सभी वक्ताओं, मुख्य अतिथि एवं उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया। प्रतिभागियों ने इस सेमिनार को बेहद उपयोगी बताते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के निरंतर आयोजन की अपेक्षा जताई।

अवैध अस्पतालों का जाल बना खतरा, अमरिया में स्वास्थ्य सेवाओं पर उठे सवाल

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार/ पीलीभीत / पीलीभीत/ अमरिया। जनपद के अमरिया क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर एक गंभीर और चिंताजनक स्थिति सामने आ रही है। क्षेत्र में अवैध अस्पतालों, पैथोलॉजी लैब्स, क्लीनिकों, मेडिकल स्टोर्स और एक्स-रे सेंटरों का जाल तेजी से फैलता जा रहा है, जो अब लोगों की सेवा के बजाय उनके जीवन के लिए खतरा बनता दिख रहा है।

जानकारी के अनुसार, कई जगहों पर बिना मान्यता प्राप्त डिग्री और पंजीकरण के तथाकथित डॉक्टर इलाज कर रहे हैं। ये लोग गंभीर बीमारियों के उपचार का दावा करते हैं, जिससे अनजान और ग्रामीण लोग इनके झांसे में आकर अपनी सेहत को जोखिम में डाल रहे हैं।

सूत्रों का कहना है कि क्षेत्र में कई पैथोलॉजी लैब्स बिना योग्य पैथालॉजिस्ट के संचालित हो रही हैं। यहां जांच रिपोर्ट मनमाने तरीके से तैयार की जाती हैं, जिससे मरीजों को गलत बीमारी की जानकारी मिलती है और वे गलत इलाज के शिकार

हो जाते हैं। इससे न सिर्फ बीमारी बढ़ती है, बल्कि समय और धन की भी भारी हानि होती है।

इसी तरह कई एक्स-रे सेंटरों पर प्रशिक्षित टेक्नीशियन का अभाव है। अनुभवहीन लोगों द्वारा मशीनों का संचालन किए जाने से रिपोर्ट की सटीकता पर सवाल खड़े हो रहे हैं, जो मरीजों के जीवन के लिए गंभीर खतरा बन सकता है।

वहीं, क्षेत्र के कुछ मेडिकल स्टोर्स पर बिना लाइसेंस या नियमों की अनदेखी कर दवाइयों की बिक्री की जा रही है। कई स्थानों पर बिना डॉक्टर की पर्ची के ही दवाएं दी जा रही हैं, जो भविष्य में गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दे सकती हैं।

इतने बड़े स्तर पर अवैध चिकित्सा इकाइयों के संचालन से प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो यह समस्या और भी विकराल रूप ले सकती है।

मामले में अमरिया सीएचसी प्रभारी डॉ. अनिकेत गंगवार ने बताया कि अवैध रूप से संचालित सभी चिकित्सा इकाइयों की जांच कराई जाएगी। दोषी पाए जाने पर सख्त विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि अवैध अस्पतालों और लैब्स पर तत्काल छापेमारी कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए तथा स्वास्थ्य सेवाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए।

अब बड़ा सवाल यह है कि क्या अमरिया में चल रहा यह 'स्वास्थ्य माफिया' यूं ही फलता-फूलता रहेगा, या प्रशासन समय रहते इन पर शिकंजा कस पाएगा।

बारादरी पुलिस ने 10 लाख की अफीम के साथ किया गिरफ्तार, साथी फरार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। थाना बारादरी पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 528 ग्राम अवैध अफीम बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 10 लाख रुपये बताई जा रही है।

दिनांक 26 मार्च 2026 को थाना बारादरी पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान नाग देवता मंदिर के पास से सुरेन्द्र (उम्र 20 वर्ष) पुत्र राममूर्तिलाल निवासी ग्राम कान्धरपुर, थाना विशारतगंज को गिरफ्तार किया गया। तलाशी में उसके पास से भारी मात्रा में अवैध अफीम बरामद हुई।

गिरफतारी के आधार पर अभियुक्त के खिलाफ मु0अ0सं0 361/2026 धारा 8/18/29 NDPS एक्ट के तहत थाना बारादरी में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि वह खेती-बाड़ी करता है और 10वीं तक पढ़ा है। गांव के ही कल्लू राजपूत ने उसे ज्यादा पैसे कमाने का लालच देकर इस धंधे में शामिल किया। उसी से अफीम लेकर वह बेचने जा रहा था, तभी पुलिस ने उसे पकड़ लिया ।

इस मामले में कल्लू राजपूत पुत्र लखपत निवासी ग्राम कान्धरपुर को नामजद किया गया है, जो फिलहाल फरार है। पुलिस उसकी गिरफतारी के लिए लगातार दबिश दे रही है।

इस सफल कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक धनंजय पाण्डेय, उपनिरीक्षक मनीष भारद्वाज, उपनिरीक्षक सौरभ तोमर, हेड कांस्टेबल धनवीर सिंह और कांस्टेबल देवेन्द्र सिंह की अहम भूमिका रही।

ब्रेस्ट कैंसर और महिलाओं की सेहत, जागरूकता और समय पर पहचान है बेहद ज़रूरी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली- महिलाओं की सेहत पर अक्सर अलग-अलग हिस्सों में बात होती है- कहीं फर्टिलिटी, कहीं हार्मोन, तो कहीं उम्र बढ़ने से जुड़ी समस्याएं। लेकिन असल में इसका मूल उद्देश्य है एक ऐसी ज़िंदगी जीना जो सम्मान, आत्मविश्वास और मजबूती से भरी हो। इसी संदर्भ में ब्रेस्ट कैंसर एक बेहद अहम और गंभीर विषय बनकर सामने आता है। यह सिर्फ एक बीमारी नहीं, बल्कि लाखों महिलाओं और उनके परिवारों की वास्तविकता है। भारत समेत दुनियाभर में यह महिलाओं में सबसे ज्यादा पाए जाने वाले कैंसर में से एक है, जो हर वर्ग, क्षेत्र और पृष्ठभूमि को प्रभावित करता है। हर एक डायग्नोसिस के पीछे एक महिला होती है, जो अपने शरीर,

पहचान और भविष्य से जुड़े महत्वपूर्ण फैसलों का सामना कर रही होती है। इसलिए महिलाओं की सेहत पर कोई भी सार्थक चर्चा ब्रेस्ट कैंसर को स्पष्टता, वैज्ञानिक समझ और गंभीरता के साथ शामिल किए बिना अधूरी है। समय पर पहचान (अर्ली डिटेक्शन) ब्रेस्ट कैंसर के इलाज में सबसे बड़ा फर्क डालती है। शुरुआती स्टेज में पकड़े गए मामलों में इलाज के परिणाम कहीं बेहतर होते हैं। इसलिए नियमित स्क्रीनिंग बेहद जरूरी है। आमतौर पर 40 वर्ष से ऊपर की महिलाओं को डॉक्टर की सलाह के अनुसार मैमोग्राफी करवानी चाहिए, जबकि जिन महिलाओं के परिवार में कैंसर का इतिहास है, उन्हें पहले से ही जांच शुरू करने की जरूरत हो सकती है। इसके साथ ही सेल्फ-ब्रेस्ट एग्जामिनेशन भी उपयोगी है। महिलाओं को अपने ब्रेस्ट के सामान्य लुक और फील के बारे में जागरूक होना चाहिए। अगर कोई नया गांठ (लंप), निप्पल से डिस्चार्ज, त्वचा में गड्ढा पड़ना, लालिमा, लगातार दर्द या ब्रेस्ट के आकार में बदलाव नजर आए, तो तुरंत डॉक्टर से जांच करवानी चाहिए। हालांकि ब्रेस्ट कैंसर को पूरी तरह रोकना संभव नहीं है, लेकिन स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर इसके जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

नाला हादसा 30 घंटे चला रेस्क्यू , तब निकाला जा सका युवक का शव

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। सेटेलाइट बस स्टैंड पर मंगलवार रात करीब साढ़े नौ बजे खुले नाले में गिरे युवक का शव 30 घंटे बाद तलाश लिया गया। मृतक युवक का नाम तौहीद था, जो जिला हरदोई का निवासी निकला। थाना प्रभारी धनंजय पांडे के मुताबिक तौहीद पुत्र रईस हरदोई के मोहल्ला शाहाबाद देहात का निवासी था। वह मंगलवार रात सेटेलाइट स्टैंड पर बस का इंतजार कर रहा था। उसकी जेब में मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान हो सकी। पता चला कि वह रुद्रपुर की जैन कंपनी में ड्राइवर था। पानी के तेज बहाव की वजह से उसका शव नाले में काफी दूर बह गया था। चूंकि उसे लोगों ने गिरते हुए देखा था और इस घटनाक्रम का सीसीटीवी फुटेज भी मौजूद था। इसलिए कई जेसीबी और कर्मचारी लगाकर लगातार अभियान चलाया गया। इसके बाद सफलता मिल गई। सूचना पर तौहीद के परिजन भी बरेली पहुंच गए। उनकी मौजूदगी में शव का पंचनामा भर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। थाना प्रभारी ने बताया कि परिवार चाहेगा तो रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

महिलाओं को उनके सम्मान सुरक्षा के हेल्पलाइन नंबर के बारे में जागरूक कराया

क्यूँ न लिखूँ सच / सिकंदर / थाना मुगलपुरा *मिशन शक्ति अभियान फेज अ- 5.0 के अंतर्गत चल रहे मिशन शक्ति अभियान के सम्बन्ध महिलाओं व बालिकाओं के साथ गोष्ठी कर सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं

जैसे- विधवा पेंशन योजना वृध्दावस्था पेंशन योजना सुकन्या समृद्धि योजना प्रधानमंत्री आवास योजना मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना ,कृषि कर भुगतान योजना, कन्या सुमंगला योजना , प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना आदि से अवगत कराते हुए एवं महिलाओं को उनकी सुरक्षा एवं सम्मान के प्रति जागरूक करते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों जैसे वूमेन पावर लाइन-
1090 घरेलू हिंसा हेल्पलाइन-181 पुलिस आपातकालीन सेवा -112 स्वास्थ्य सेवा- 102,108 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर -1076 चाइल्ड लाइन 1098 साइबर क्राइम 1930, आदि के बारे में जागरूक किया गया तथा साइबर अपराध के बारे में जानकारी दी गई व पंपलेट वितरण किए गए रूल्ज़ 02 थाना mughalpura जनपद मुरादाबाद

फरीदपुर में कन्या पूजन व जन्मोत्सव कार्यक्रम आयोजित 101 छात्राओं का हुआ सम्मान

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। फरीदपुर ब्लॉक में गुरूवार को माननीय राज्य महिला आयोग की सदस्या पुष्पा पांडे की अध्यक्षता में मिशन शक्ति 5.0 (द्वितीय चरण) एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भारत माता मंदिर परिसर में किया गया, जहां कन्या पूजन के साथ कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय फरीदपुर की 101 छात्राओं को कन्या भोज कराया गया। इस अवसर पर छात्राओं को प्रतीक चिन्ह के रूप में टिफिन और पानी की बोतल भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में जिला प्रोबेशन अधिकारी मोनिका राणा, केंद्र प्रबंधक चंचल गंगवार, जिला मिशन कोऑर्डिनेटर रिंकी सैनी तथा काउंसलर रसना गुप्ता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

इसके बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फरीदपुर में कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 21 नवजात बालिकाओं को बेबी क्लॉथ किट और हिमालया बेबी किट वितरित की गई। साथ ही अभिभावकों को बेटी के जन्म पर बधाई देकर समाज में बेटियों के महत्व का संदेश दिया गया।

इस पूरे आयोजन के माध्यम से बेटियों के सम्मान, सुरक्षा और उनके उज्जवल भविष्य के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया।

सुभाषनगर पुलिस ने नौकरी का झांसा, लाखों की ठगी करने वाले शातिर आरोपी को किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। थाना सुभाषनगर पुलिस ने नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। वादी अभिनव सिंह चौहान की तहरीर पर दर्ज मुकदमे में आरोप था कि आरोपी ने उसके भाई व परिजनों की नौकरी लगवाने का झांसा देकर लाखों रुपये ऐंठ लिए। जांच के दौरान पुलिस टीम ने गुरूवार की सुबह औरैया जनपद के ग्राम दखलीपुर में दबिश देकर मुख्य आरोपी दुर्गेश बाजपेयी को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने बताया कि उसने परिचित के माध्यम से संपर्क कर नौकरी का लालच दिया और रकम अपने साथी के खाते में डलवाकर निजी कामों में खर्च कर दी। दुर्गेश बाजपेयी पर पहले से भी ठगी व धोखाधड़ी के कई मुकदमे दर्ज हैं। प्रभारी निरीक्षक जितेन्द्र कुमार सिंह के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है और जल्द गिरफ्तारी की बात कह रही है।

उपलब्धि: टेस्ट ट्यूब भ्रूण प्रत्यारोपण से जन्मी एक बछिया और चार बछड़े, आईवीआरआई के वैज्ञानिकों ने पाई सफलता

बरेली के इज्जतनगर स्थित आईवीआरआई में टेस्ट ट्यूब भ्रूण प्रत्यारोपण से एक बछिया और चार बछड़ों का जन्म हुआ है। वैज्ञानिकों ने जुलाई 2025 में ओपीयू आईवीएफ तकनीकी से भ्रूण प्रत्यारोपण

किया था। बरेली में आखिरकार सात संस्थान (आईवीआरआई) के वैज्ञानिकों बछड़े, एक बछिया का जन्म कराने में (ओपीयू) इन विट्रो फर्टीलाइजेशन गया था।यह उपलब्धि आईवीआरआई कुमार के नेतृत्व में दैहिकी एवं जलवायु विक्रांत सिंह चौहान, डॉ. विकास चंद्र वैज्ञानिक डॉ. एमके पात्रा का अहम डॉ. एसके सिंह और डॉ. मुकेश सिंह, चौहान का भी योगदान रहा। ढाई वर्षों भी ओपीयू-आईवीएफ तकनीकों का आधारित ट्रांसवेजाइनल ओसाइट ट्रांसफर संबंधी सफलता स्वदेशी उच्च बृजेश कुमार ने बताया कि पहला बछड़ा साहीवाल गाय से जन्मा। क्रमवार मार्च हुआ। आईसीएआर उप महानिदेशक (पशु भट्टा ने प्रयास को सराहा है। कृषि

माह बाद भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान ने टेस्ट ट्यूब भ्रूण प्रत्यारोपण से चार स्वस्थ सफलता हासिल की है। ओवम पिकअप तकनीक से सफल भ्रूण प्रत्यारोपण किया के पशु प्रजनन विभाग के वैज्ञानिक डॉ. बृजेश परिवर्तन विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक डॉ. और पशुधन उत्पादन प्रबंधन अनुभाग के सहयोग रहा। साथ ही, संयुक्त निदेशक शोध डॉ. एमएच खान, डॉ. ज्ञानेंद्र सिंह, डॉ. अनुज में टीम ने साहीवाल, थारपारकर, मुर्रा भैंस में सफल मानकीकरण किया। अल्ट्रासाउंड एस्पिरेशन, इन विट्रो भ्रूण उत्पादन, एंब्रियो स्तरीय पशु नस्लों विकास में अहम है।डॉ. 28 फरवरी 2026 को जन्मा गौरी नामक की में तीन बछड़े और एक बछिया का जन्म विज्ञान) एवं संस्थान निदेशक डॉ. राघवेंद्र अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डेयर) के

सचिव एवं आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. एमएल जाट ने उपलब्धि को पशुधन क्षेत्र के लिए उल्लेखनीय बताया है। स्वदेशी उत्कृष्ट नस्ल के पशुओं का किया गया प्रयोग- वैज्ञानिक के अनुसार उच्च आनुवंशिक क्षमता वाले जर्मप्लाज्म से बछड़े और बछिया का जन्म हुआ है। दाता साहीवाल गाय प्रतिदिन 12 लीटर से अधिक दूध देती थी और वीर्य भी एक स्वदेशी नस्ल के सांड से लिया गया। जिसकी माता का दुग्ध उत्पादन करीब 3,320 किलो प्रति दुग्धावधि रहा है। चयन का उद्देश्य उत्कृष्ट नस्ल से स्वदेशी नस्लों की उत्पादकता बढ़ाना रहा। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व वर्ष 2018 में आईवीआरआई ने एंब्रियो ट्रांसफर तकनीक से स्वदेशी गोवंश प्रजनन कार्यक्रम की शुरुआत की थी। चार साल में 30 बछड़ों का जन्म हुआ था। वर्ष 2022-23 में ओपीयू-आईवीएफ तकनीक को अपनाया, जो अधिक प्रभावी और लागत के सापेक्ष व्यावहारिक साबित हुई। साल में एक नहीं करीब 10 से 20 पशु का होगा जन्म- सामान्य प्रजनन प्रक्रिया से गाय, भैंस वर्ष में सिर्फ एक बार ही गर्भधारण कर सकती हैं पर ओपीयू आईवीएफ तकनीक से एक भैंस से साल में करीब दस और गाय के करीब 20 उन्नत नस्ल के पशु का जन्म होगा। बताया कि प्रक्रिया में उच्चतम गुणवत्ता के भ्रूण तैयार होते हैं, जिसे कम दूध देने वाली सेरोगेट मदर गाय-भैंस में प्रत्यारोपित करते हैं। उन्नत नस्ल के विकास से किसानों को होगा फायदा-किसान या पशुपलाकों के पास उन्नत नस्ल का पशु है तो उसका भ्रूण लैब में तैयार कर सेरोगेट मदर में ट्रांसफर करेंगे। वहीं, उनकी मांग पर लैब में संरक्षित भ्रूण को भी प्रत्यारोपित कर देंगे। इससे उन्नत नस्ल के पशु का जन्म होगा। टेस्ट ट्यूब बेबी के दूध देने की क्षमता भ्रूण देने वाली पशु के सापेक्ष होगी। इससे नस्ल सुधार समेत दुग्ध उत्पादन बढ़ेगा।

धीमा जहर: फैक्टरी-बूचड़खानों के दूषित पानी से फसलों की सिंचाई, हर दूसरा व्यक्ति बन रहा गैस्ट्रो का मरीज

चिकित्सकों के अनुसार नाले के पानी में मौजूद जैसे ई कोलाई, सैल्मोनेला बैक्टीरिया सब्जियों और अनाज के माध्यम से पेट में पहुंचकर गैस्ट्रोएन्टराइटिस, उल्टी-दस्त, टाइफाइड, हैजा और हेपेटाइटिस-ए जैसी बीमारियां पैदा कर रहे हैं।अलीगढ़ के मथुरा रोड ही नहीं खैर मार्ग पर फैक्टरियों व बूचड़खानों से निकले दूषित पानी से फसलों की सिंचाई हो रही है और लेड, कैडमियम और क्रोमियम जैसी

भारी धातुओं के अंश अनाज के जरिये चिकित्सकों के अनुसार इससे किडनी फेलियर और हृदय रोग के मरीज (गैस्ट्रो) के रोग से पीड़ित है।टीम ने बाईपास रोड पर नालों की पड़ताल की नालों के किनारे लगे मिले। इनके पाइप गेहूं, पालक, धनिया, लहसुन, भिंडी, थी।फैक्टरियों से निकलने वाला कार्बनिक कचरे वाला पानी बिना नालों मृत मुर्गों को इसी नाले में बहा दिया फैल रही थी, पानी भी दूषित था। समाज मीट फैक्टरियों के साथ अन्य फैक्टरियों और अनाज की सिंचाई करने के लिए किसानों को एसटीपी का पानी उपलब्ध यह समस्या न केवल पेट और लीवर बच्चों, बुजुर्गों और कमजोर इम्यूनिटी रहा है। कीटाणु और टॉक्सिन सीधे कर रहे हैं, जिससे पेट, किडनी व लीवर है।-डॉक्टर अतहर कमाल, हृदय रोग

मानव शरीर तक पहुंच रहे हैं। गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल रोग, लीवर डैमेज, बढ़ रहे हैं। हर दूसरा व्यक्ति पेट में गैस शुक्रवार को खैर रोड और पुराना मथुरा तो दर्जन भर से अधिक पंपिंग सेट खेतों के दूसरे छोर तक मिले। खेतों में गोभी और सरसों की फसल खड़ी केमिकल युक्त, रक्त-मिश्रित और में गिरता है। यही नहीं मुर्गा मंडी में जा रहा है, इनके सड़ने से तीखी दुर्गंध सेवी संजीव कौशिक का कहना है कि से निकलने वाले गंदे पानी से फसलों शासन-प्रशासन जिम्मेदार हैं। अगर कराया जाए तो वह ऐसा नहीं करेंगे। रोगियों की संख्या बढ़ा रही है, बल्कि वाले लोगों में संक्रमण तेजी से फैल सब्जियों-अनाज के जरिये शरीर में प्रवेश से लेकर हार्ट तक की समस्या हो रही विशेषज्ञ- सिंचाई के दौरान हैवी मेटल

दूषित जल से सब्जियों व अनाज से होकर हमारे शरीर में पहुंचते हैं, इनके सेवन से कीटाणु शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं। यहां हर दूसरा मरीज गैस्ट्रो बीमारी से पीड़ित है।-डॉ. अभिनव वर्मा, पेट रोग विशेषज्ञ- फैक्टरियों से निकलने वाला पानी विभिन्न प्रकार के केमिकल होते हैं। ऐसे में बिना ट्रीट किए इस पानी का सिंचाई के लिए प्रयोग करना गलत हैं। इन सब्जियों व फलों का सेवन सबसे ज्यादा खतरनाक है।-डॉ. संजय तायल, फिजिशियन- नालों के पानी से होने वाली सब्जियों और अनाज के सेवन से बच्चों की रोग प्रति रोधक क्षमता खत्म सी हो जाती है। ब्लड के भीतर टॉक्सिन समाप्त करने वाले केमिकल भी इसी नाले में बहाए जा रहे हैं। इससे बच्चों में पैदाइशी बीमारी हो रही है।-डॉ. विभव वार्ष्णेय, बाल रोग विशेषज्ञ- दूषित पानी से सींची जा रहीं सब्जियों और अनाज में न्यूट्रीशनल एलीमेंट विटामिन, जिंक, सोडियम, पोटैशियम, मैग्नीशियम जैसे तत्वों की भारी कमी हो जाती है।यह सेहत में लिए हानिकारक है और इससे शारीरिक विकास रुक जाता है।-डॉ. उमाशंकर वार्ष्णेय, एमडी पैथालॉजिस्ट खैर रोड व पुराना मथुरा रोड बाइपास पर स्थित मीट फैक्टरियों को पानी नालों डिस्चार्ज करने की अनुमति हैं। समय-समय पर इसकी जांच भी होती है। मृत मुर्गा आदि को नालों में फेंकना गलत है। जिम्मेदार विभाग को इस पर कार्रवाई करनी चाहिए।-विश्वनाथ शर्मा, आरओ, प्रदूषण इस तरह से बढ़ रहा खतरा- चिकित्सकों के अनुसार नाले के पानी में मौजूद जैसे ई कोलाई, सैल्मोनेला बैक्टीरिया सब्जियों और अनाज के माध्यम से पेट में पहुंचकर गैस्ट्रोएन्टराइटिस, उल्टी-दस्त, टाइफाइड, हैजा और हेपेटाइटिस-ए जैसी बीमारियां पैदा कर रहे हैं। लंबे समय तक दूषित पानी से सींची गई सब्जियों का सेवन से लीवर में सूजन, पीलिया और क्रॉनिक लीवर डिजीज का खतरा बढ़ जाता है।कैडमियम और लेड किडनी को नुकसान पहुंचाते हैं। क्रोमियम और अन्य टॉक्सिक तत्व हाइपरटेंशन, हार्ट अटैक और कार्डियोवैस्कुलर रोगों को ट्रिगर कर रहे हैं। सीवेज पानी से सिंचित सब्जियों पालक, गोभी, टमाटर आदि में भारी धातुओं के अंश अधिक होते हैं, जो गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा करते हैं। समाधान के लिए सुझाव- सिंचाई के लिए पानी को शुद्ध करके ही इस्तेमाल किया जाए। नाले के दूषित पानी का उपयोग पूरी तरह बंद किया जाना चाहिए। वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाकर प्रदूषित पानी को साफ किया जाना चाहिए। किसानों को भी इस दिशा में जागरूक किए जाने की जरूरत है। ऑर्गेनिक या ट्यूबवेल पानी से उगाई गई सब्जियों का ही सेवन करें।

संक्षिप्त समाचार

सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने पर लगी प्रदर्शनी का समापन, योजनाओं की झलक देखने उमड़ी भीड़

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा हार्टमैन मेला ग्राउंड में उत्तर प्रदेश सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने के

अवसर पर लगाई गई उपलब्धियों पर आधारित चित्र प्रदर्शनी का गुरुवार को समापन हो गया। प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर सरकार की योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी ली। प्रदर्शनी में महिला सशक्तिकरण, किसान कल्याण, रोजगार, आवास, एक्सप्रेसवे निर्माण और युवाओं के लिए चलाई जा रही योजनाओं को प्रमुखता से दर्शाया गया। स्वयं सहायता समूहों के जरिए महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, किसानों को सब्सिडी व आर्थिक सहायता देने, तथा युवाओं को रोजगार व निशुल्क कोचिंग जैसी उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया। इस दौरान सरकार के 9 वर्षों में हुए विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने का प्रयास किया गया, जिसे लोगों ने सराहा।

अवकाश में भी खुला रजिस्ट्री कार्यालय, बैनामा कराने वालों का लगा रहा तांता

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। वित्तीय वर्ष के समापन को देखते हुए अवकाश के दिन भी गुरुवार को रजिस्ट्री कार्यालय खुला। सुबह से ही जमीन- मकान का बैनामा कराने वालों की कार्यालय में भीड़ लगी रही। सुबह 10 बजे से निबंधन भवन में लोग आवश्यक दस्तावेजों के साथ पहुंचे। शासन के आदेश पर पिछले रविवार को भी रजिस्ट्री कार्यालय खोला गया था। कार्यालय के कर्मचारियों ने बताया कि नवरात्र में बैनामा कराने वालों की संख्या बढ़ गई है।

तस्करों और बलवाइयों की तलाश में पुलिस ने दी दबिश, सूचना लीक होने से भागे आरोपी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली में पशु तस्करी के लिए चर्चित गांव फरीदापुर चौधरी एक बार फिर चर्चा में है। यहां पुलिस लगातार दबिश दे रही है। दबिश की सूचना लीक होने के कारण कोई आरोपी हाथ नहीं आया है। हाल ही में यहीं रेलवे मैदान पर पशु अवशेष मिले थे, फरीदापुर गांव के पशु तस्करों को भी पकड़ा गया था। इसी गांव में बरेली बवाल के कई आरोपी भी रहते हैं जो अभी तक गिरफ्तार नहीं हो सके हैं। पिछले साल 26 सितंबर को शहर में बवाल हुआ था। पुलिस टीम पर तेजाब और पत्थरों से जानलेवा हमला किया गया था। पुलिस ने शहर के अलग-अलग थानों में मुकदमे दर्ज किए थे। इज्जतनगर थाने के गांव फरीदापुर चौधरी में रहने वाले रफीक बेग, लईक, शफीक अहमद, जाफर, रिजवान, नासिर, शकील, हसीन और वाजिद बेग का नाम बवाल के मुकदमों में खोला गया था। इनमें से एक आरोपी को जेल भेज दिया गया था। आरोपी वाजिद बेग का बरातघर भी ध्वस्त कर दिया था। वांछितों की तलाश में पुलिस ने दी दबिश -मुकदमे में शामिल आठ आरोपी आज भी पुलिस रिकॉर्ड में वांछित हैं। अब रेलवे मैदान पर पशु तस्करी के मामले में भी इसी गांव के लोगों का नाम आ रहा है। वांछितों को पकड़ने के लिए पुलिस ने गांव में दबिश दी लेकिन कोई हाथ नहीं आया। सूत्रों के मुताबिक वांछित अक्सर गांव में ही घूमते रहते हैं लेकिन पुलिस उन तक नही पहुंच पाती है। तीन दिन पहले फरीदापुर नाले से गो अवशेष मिले थे। इसमें गांव के आरोपियों को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद पुलिस ने फरीदापुर रोड पर चेकिंग की थी।

पेट्रोल पांच रुपये हुआ महंगा, डीजल के इतने बढ़ाए गए रेट; नायरा एनर्जी ने की घोषणा

नायरा एनर्जी के पंपों पर पेट्रोल 5 रुपये और डीजल 3 रुपये महंगा हो गया है। हालांकि अन्य कंपनियों के पंपों पर अभी पुराने रेट लागू हैं, जिससे लोगों को आंशिक

राहत मिली हुई है।मिडिल ईस्ट में भारी एलपीजी की किल्लत से जूझ रहे हैं, वहीं ने महंगाई का बड़ा झटका दिया है। आगरा कर दिए गए हैं। इसके तहत पेट्रोल पांच दिया गया है। देश की बड़ी निजी ईंधन पेट्रोल पंप पर बढ़े हुए रेट पर ईंधन दिया रुपये प्रति लीटर और डीजल में 3 रुपये बात ये है कि अभी इंडियन ऑयल और दाम अभी नहीं बढ़ाए हैं। हालांकि निजी भी रेट बढ़ सकते हैं। आज का ये है रेट

तनाव के चलते जहां लोग पहले ही अब पेट्रोल और डीजल के रेट में हुई वृद्धि में नायरा एनर्जी के पंपों पर नए रेट लागू रुपये और डीजल तीन रुपये महंगा कर रिटेलर कंपनी नायरा एनर्जी के आगरा स्थित जा रहा है। कंपनी ने पेट्रोल के दाम में 5 प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। राहत की भारत पेट्रोलियम कंपनी ने सादा पेट्रोल के कंपनी के दाम बढ़ाने के बाद अब इनके -आज का रेट सादा पेट्रोल- 99.62 रुपये

प्रति लीटर आज का डीजल का रेट- 90.41 रुपये प्रति लीटर पहले का रेट - दा पेट्रोल- 94.62 रुपये प्रति लीटर डीजल का रेट- 87.41 रुपये प्रति लीटर

पीलीभीत में विश्व क्षय रोग दिवस पर 24 टीबी मुक्त ग्राम पंचायतों का सम्मान

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार/ पीलीभीत / विश्व क्षय रोग दिवस के अवसर पर गांधी सभागार में मुख्य विकास अधिकारी राजेन्द्र कुमार श्रीवास की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आलोक कुमार ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आलोक कुमार ने बताया कि वर्ष 2025 में जनपद की 24 ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित किया गया है। कार्यक्रम में इन ग्राम पंचायतों के ग्राम प्रधानों को महात्मा गांधी की कांस्य प्रतिमा एवं टीबी मुक्त पंचायत प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही टीबी से स्वस्थ हो चुके 5 टीबी चैंपियनों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया तथा 10 क्षय रोगियों को निक्षय मित्रों के सहयोग से पोषण पोटली वितरित की गई। उन्होंने जानकारी दी कि विश्व क्षय रोग दिवस के अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा एवं प्रदेश के उपमुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक द्वारा 100 दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान, टीबी मुक्त भारत ऐप एवं टीबी मुक्त अर्बन वार्ड पहल का वर्चुअल शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के पश्चात मुख्य विकास अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा 100 दिवसीय अभियान के तहत एमएमयू वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान, टीबी चैंपियन, क्षय रोगी, जिला पंचायतराज विभाग के प्रतिनिधि, उप जिला क्षय रोग अधिकारी एवं एनटीईपी के कर्मचारी उपस्थित रहे।

पीएम राहत योजना लागू, सड़क दुर्घटना पीड़ितों को मिलेगा 1.50 लाख तक कैशलेस उपचार

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/शिवपुरी। प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई पीएम राहत (सड़क दुर्घटना पीड़ित अस्पताल में भर्ती एवं सुनिश्चित उपचार) योजना के प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन को लेकर जिला स्तर पर आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं।

यह योजना 13 फरवरी 2026 से लागू की गई है, जिसके तहत सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को 'गोल्डन ऑवर' के दौरान दुर्घटना की तिथि से 7 दिनों के भीतर अधिकतम 1.50 लाख रुपये तक का कैशलेस उपचार प्रदान किया जाएगा।

योजना के संचालन के लिए National Health Authority (NHA) द्वारा एक आईटी आधारित प्लेटफॉर्म विकसित किया जा रहा है, जिसमें ट्रांजैक्शन मैनेजमेंट सिस्टम (ढ्ढरूस्), हॉस्पिटल एंगेजमेंट मॉड्यूल (॥श्वरू), यूज़र मैनेजमेंट पोर्टल (स्ढ्ढ) और एंटी-फ्रॉड ट्रिगर्स जैसी सुविधाएं शामिल हैं। यह प्लेटफॉर्म 20 फरवरी 2026 से लाइव किया जाना प्रस्तावित है, जिसके बाद मध्यप्रदेश में भी योजना का क्रियान्वयन शुरू किया जाएगा।

जिला प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि आयुष्मान भारत-पीएमजेएवाई के तहत संबद्ध सभी अस्पतालों को योजना की जानकारी देकर उन्हें नामित अस्पताल के रूप में तैयार किया जाए।

साथ ही, अस्पतालों की सेवा-तत्परता सुनिश्चित करने और संभावित मामलों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए गए हैं।

इसके अलावा, ऐसे अस्पतालों की भी पहचान की जा रही है जिन्हें केवल पीएम राहत योजना के लिए नामित किया जा सके, भले ही वे पीएमजेएवाई से संबद्ध न हों। सभी नामित अस्पतालों की योजना से संबंधित प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों में भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

जन-जागरूकता बढ़ाने के लिए सूचना, शिक्षा एवं संचार (ढ्ढश्वष्ट) गतिविधियों को व्यापक स्तर पर संचालित किया जाएगा, ताकि गैर-नामित अस्पताल भी दुर्घटना पीड़ितों को प्रारंभिक उपचार उपलब्ध करा सकें।

वन भूमि पर अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई, 6.490 हेक्टेयर भूमि मुक्त कराई गई

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। वन विभाग द्वारा अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए वनमण्डल शिवपुरी अंतर्गत पोहरी वन परिक्षेत्र के बीट बिलोआ में 6.490 हेक्टेयर शासकीय वन भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया। उपवनमण्डल शिवपुरी से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बागलोन से संबंधित व्यक्तियों द्वारा उक्त वन भूमि पर अवैध कब्जा कर निर्माण कार्य किया गया था।

इस संबंध में वन विभाग द्वारा पूर्व में प्रकरण दर्ज कर संबंधितों को नोटिस जारी किया गया तथा जवाब प्रस्तुत करने का अवसर भी प्रदान किया गया। संतोषजनक जवाब प्राप्त न होने पर नियमानुसार बेदखली की कार्यवाही की गई। कार्रवाई के दौरान अवैध रूप से निर्मित पक्के मकान एवं बाउंड्रीवाल को हटाया गया। यह कार्यवाही प्रशासनिक निगरानी में विधिवत एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराई गई। वन विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि शासकीय वन भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण स्वीकार्य नहीं है तथा भविष्य में भी इस प्रकार की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। इस दौरान वनमण्डल अधिकारी सुधांशु यादव, वन परिक्षेत्राधिकारी श्रुति राठौर सहित वन विभाग का अमला उपस्थित रहा।

वन विभाग पर भड़के विधायक रोमी साहनी, कहा- तेंदुआ पकड़ने वालों पर मुकदमा नहीं होने दूंगा

लखीमपुर खीरी के पलिया क्षेत्र में ग्रामीणों ने हमलावर तेंदुए को पकड़कर वन विभाग के हवाले किया था। वन विभाग अब उन्हीं ग्रामीणों पर रिपोर्ट दर्ज कराने की तैयारी कर रहा है। इस पर क्षेत्रीय विधायक रोमी साहनी भड़क गए। उन्होंने कहा दर्ज नहीं होने देंगे। लखीमपुर खीरी के पलिया ग्रामीणों पर वन विभाग द्वारा एफआईआर कराने भड़क गए। उन्होंने बेलाकलां गांव पहुंचकर होने देंगे चाहे उनको जान भी देनी पड़ जाए। नहीं करेंगे। फिलहाल एफआईआर की सुगबुगाहट मंगलवार को 24 मार्च को बेलाकलां गांव में जिसमें दो लोग बुरी तरह घायल हो गए थे। उस लाठी-डंडों के सहारे तेंदुए की घेराबंदी की और विभाग और पुलिस की टीम से ग्रामीणों की को तत्काल इलाज के लिए मुआवजे की मांग था।ग्रामीणों से मिले विधायक बाद में वन विभाग रुपये की मदद देने पर तेंदुए को टीम के हवाले विभाग तेंदुए को पकड़ने वाले ग्रामीणों को चिह्नित में रोष फैल गया। यह खबर विधायक रोमी

कि वह किसी भी हाल में ग्रामीणों पर मुकदमा क्षेत्र के ग्राम बेलाकलां में तेंदुए को पकड़ने वाले की तैयारी पर भाजपा विधायक रोमी साहनी ग्रामीणों से कहा कि वे न घबराएं। मुकदमा नहीं ग्रामीणों का उत्पीड़न किसी भी कीमत पर बर्दाश्त से क्षेत्रीय राजनीति में उबाल ला दिया है।दरअसल एक तेंदुए ने मजदूरों पर हमला कर दिया था, वक्त ग्रामीणों ने अपनी जान जोखिम में डालकर उसे पकड़कर बांध दिया था। मौके पर पहुंची वन तीखी नोकझोंक भी हुई थी। ग्रामीणों ने घायलों को लेकर तेंदुए को सौंपने से मना कर दिया की ओर से घायलों को तत्काल दस दस हजार किया गया। इसके बाद खबर फैली कि वन कर एफआईआर की तैयारी कर रहा है तो ग्रामीणों साहनी तक पहुंची तो वह बृहस्पतिवार को सीधे बेलाकलां गांव पहुंचे। ग्रामीणों के बीच बैठकर विधायक ने उन्हें ढाढ़स बंधाया और साफ लहजे में कहा कि मुझे आप लोगों ने विधायक बनाया है। मैं अपना सब कुछ आपके हवाले कर दूंगा लेकिन आप लोगों पर मुकदमा नहीं होने दूंगा। उन्होंने आगे कहा कि अगर ग्रामीणों पर आंच आई तो वे लखीमपुर में बड़ा धरना प्रदर्शन करेंगे। कहा कि तेंदुए ने ग्रामीणों पर हमला किया था न कि ग्रामीणों ने, फिर यह कैसा इंसाफ है। विधायक ने कहा कि ग्रामीणों की हौसला अफजाई करने की बजाय विभाग मुकदमे की बात कर रहा है। विधायक ने तेंदुए के हमले में घायल हुए ग्रामीण को मौके पर ही नकद आर्थिक सहायता दी। डीएफओ के वायरल वीडियो ने बढ़ाई तल्खी- मामला तब बिगड़ा जब जिले की डीएफओ कीर्ति चौधरी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। बताया गया है कि वीडियो में डीएफओ ने उन ग्रामीणों को चिह्नित करने की बात करते हुए मुकदमा दर्ज करने की बात कही है। इस खबर ने गांववालों के बीच डर और आक्रोश पैदा कर दिया।

जल्द अमीर बनने की चाह ने पहुंचाया जेल, यूट्यूब पर वीडियो देख एटीएम लूटने गए थे 18-20 साल के युवा

अमेठी में जल्द अमीर बनने की चाह ने तीन युवाओं को जेल पहुंचा दिया। ये यूट्यूब पर वीडियो देख एटीएम लूटने गए थे। लूट तो नहीं कर पाए, लेकिन अब पुलिस ने इन्हें गिरफ्तार कर लिया है।यूपी के अमेठी में एटीएम लूट की को पुलिस ने गिरफ्तार किया बनने की लालसा में यूट्यूब अंजाम देने का प्लान बनाया नसीराबाद के कुढ़ा गांव गौरीगंज बनी रेलवे स्टेशन के शामिल हैं। इनकी निशानदेही हथौड़ी, दो बाइक और स्टॉल मंगलवार रात बांदा-टांडा हाईवे ऑफ बड़ौदा परिसर में लगे निकालने की कोशिश की गई प्रबंधक जितेंद्र ने बुधवार को पुलिस ने जांच शुरू की। बाद बुधवार रात हाईवे पर पर सवार तीन युवकों को सरवण टी ने बताया कि तीनों से चेहरा ढककर एटीएम मशीन उसी दौरान हाईवे से पुलिस साजिश असफल हो गई। ने एटीएम का कीबोर्ड और क्षतिग्रस्त कर दिया था। घटना पास झाड़ियों से बरामद किए

साजिश रचने वाले तीन युवकों है। इन आरोपियों ने जल्द अमीर पर वीडियो देखकर वारदात को था। गिरफ्तार आरोपियों में निवासी सोनू गुप्ता व कपिल गुप्ता, पास रहने वाले करन पासवान पर पुलिस ने लोहे की पाइप, बरामद किया है।दरअसल, पर गौरीगंज के बाबूगंज में बैंक एटीएम को क्षतिग्रस्त कर नकदी थी। मामले में बीओबी के शाखा प्राथमिकी दर्ज कराई। इसके बाद सीसीटीवी फुटेज से पहचान के गुवावां मोड़ के पास दो बाइकों घेरकर पकड़ लिया गया। एसपी आरोपियों ने मंगलवार रात स्टॉल को तोड़ने का प्रयास किया, लेकिन वाहन गुजरने के चलते उनकी मशीन नहीं खुलने पर आरोपियों बूथ में लगे सीसीटीवी कैमरे को में प्रयुक्त औजार रेलवे लाइन के गए। तीनों को जेल भेज दिया गया। खुलासा करने वाली टीम को 15 हजार रुपये का इनाम दिया गया। वीडियो देखकर बनाई साजिश- पुलिस के मुताबिक, कपिल और करन साथ पढ़े थे। मंगलवार को कपिल और सोनू, करन से मिलने उसके घर पहुंचे थे। पैदल टहलते समय तीनों की नजर सुनसान स्थान पर लगे बैंक के एटीएम पर पड़ी, जो करन से घर से करीब एक किलोमीटर दूर है। सोनू ने दोनों को बताया कि जल्द अमीर बनने के लिए जोखिम उठाना होगा। उसने रात में एटीएम काटकर नकदी निकालने की बात कही। एटीएम लूट का एक वीडियो भी तीनों ने साथ में देखा। दिन में पैदल रेकी की और रात में वारदात को अंजाम देने की कोशिश की। नसीराबाद से सोनू और कपिल खेतों के रास्ते सात किलोमीटर पैदल चलकर बाबूगंज में रेल ट्रैक के पास पहुंचे, जहां करन मिला। फिर तीनों एक साथ एटीएम बूथ पहुंचे। मोबाइल घर पर छोड़ा- पुलिस के अनुसार, वारदात से पहले सोनू, कपिल और करन ने अपने मोबाइल घर पर ही छोड़ दिए थे। उन्हें आशंका थी कि मोबाइल लोकेशन से पकड़े जा सकते हैं। हालांकि बैंक परिसर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों में उनकी फोटो कैद हो गई। एटीएम के अंदर लगे कैमरों में भले चेहरा स्पष्ट नहीं दिखा, लेकिन उनकी चप्पल और हुलिया रिकॉर्ड हो गया। इन्हीं फुटेज के जरिये पुलिस तीनों तक पहुंच सकी। अलग-अलग प्रांत में रहकर करते थे काम- सोनू दिल्ली में रहकर ई-रिक्शा चलाता था। वह 21 मार्च को घर आया था। कपिल तमिलनाडु में रेस्टोरेंट पर चाउमीन बनाने का काम करता था और 17 मार्च को घर लौटा था। करन पासवान घर पर रहकर मजदूरी करता था। तीनों की उम्र 18 से 20 वर्ष के बीच है।

संक्षिप्त समाचार

दो लाख ले लाओ या फंदे से लटक जाओ, पुलिस प्रताड़ना से तंग आकर युवक ने दे दी जान; लोगों में आक्रोश

बाराबंकी में पुलिस प्रताड़ना से तंग आकर युवक ने जान दे दी। घटना से लोगों में आक्रोश फैल गया। पत्नी ने कहा कि थाने में पुलिस ने प्रताड़ित किया और कहा कि दो लाख ले लाओ या फंदे से लटक जाओ। इसी धमकी से परेशान होकर

पति ने जान दे दी।यूपी के बाराबंकी में असंद्रा थाना क्षेत्र के ढेमा गांव निवासी सुहेल (22) की बृहस्पतिवार तड़के इलाज के दौरान मौत हो गई। सुहेल 12 फरवरी को अयोध्या की पटरंगा पुलिस पर प्रताड़ना का आरोप लगाकर फांसी पर लटककर जान देने की कोशिश की थी। अब इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।घटना से लोगों में अयोध्या पुलिस को लेकर आक्रोश व्याप्त हो गया। ढेमा गांव में पुलिस बल की मौजूदगी में अंतिम संस्कार कराया गया। परिजन पुलिसकर्मियों पर रिपोर्ट दर्ज करके कार्रवाई की मांग पर अड़े हैं।महिला वेटर से अभद्रता के आरोप में रिपोर्ट दर्ज की गई थी रामसनेहीघाट के भुंडेहरी गांव निवासी अरमान 6 फरवरी को शादी समारोह में वेटर का काम करने अयोध्या में इनायतपुर क्षेत्र के एक गांव गया था। वहां एक महिला वेटर से अभद्रता के आरोप में उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई थी। बताया गया कि 7 फरवरी को इनायत नगर पुलिस अरमान के बहनोई सुहेल के घर ढेमा पहुंची थी। उसे पूछताछ के नाम पर उठा ले गई थी। परिजनों के अनुसार, जब वे थाने पहुंचे तो पता चला कि सुहेल को पटरंगा थाना क्षेत्र की बसौढ़ी मथुरा चौकी में रखा गया है। ...पैसे लाओ या फंदे पर लटक जाओ- पत्नी शमा का आरोप है कि वहां इनायत नगर और पटरंगा पुलिस ने सुहेल को थर्ड डिग्री देते हुए बेरहमी से पीटा। इतना ही नहीं, पुलिसकर्मियों ने दो लाख रुपये की मांग की। धमकी दी कि या तो पैसे लाओ या फंदे पर लटक जाओ। गंभीर चोटों और मानसिक आघात से घर लौटे सुहेल की हालत लगातार बिगड़ती गई। 12 फरवरी को उसने घर में ही पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया। बताया कि गंभीर हालत में उसे पहले स्थानीय अस्पताल, फिर लखनऊ के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां इलाज के दौरान बृहस्पतिवार की तड़के मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन अलर्ट हो गया। जानकारी होने पर असंद्रा थाना प्रभारी आलोक मणि त्रिपाठी पुलिस बल के साथ ढेमा गांव पहुंचे। तनाव की स्थिति देखते हुए सुरक्षा कड़ी कर दी गई। पुलिस की मौजूदगी में अंतिम संस्कार कराया गया।

मेरठ पुलिस के 420 धुरंधरों को दिखाई गई 'धुरंधर-2' फिल्म, बोले-काफी सीखने को मिला, गरमाई सियासत

मेरठ में 2023 बैच के 420 दरोगाओं को धुरंधर 2 फिल्म दिखाई गई। दरोगाओं ने कहा कि फिल्म से उन्हें कई बातें सीखने को मिलीं।मेरठ में पुलिस कर्मियों को प्रेरित करने के उद्देश्य से एक अनोखी पहल की गई। एसएसपी के निर्देश पर करीब 420 दरोगाओं को एक फिल्म दिखाई गई, जिसके बाद इस पहल को लेकर राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चाएं तेज हो गई हैं।यूनिफॉर्म में पहुंचे पुलिसकर्मी- जानकारी के अनुसार सभी पुलिसकर्मी यूनिफॉर्म में मेरठ के दिल्ली रोड स्थित शॉप्रिक्स मॉल के सिनेमा हॉल में पहुंचे और दोपहर 11 बजे शुरू हुए शो में शामिल हुए। वहीं ब्रेक के दौरान दरोगाओं के रिफ्रेशमेंट की व्यवस्था भी की गई। इसमें समोसा, जूस व कॉफी शामिल थीमीडिया को नहीं मिली हॉल में एंट्री- फिल्म के प्रदर्शन के दौरान मीडिया को हॉल के अंदर जाने की अनुमति नहीं दी गई। साथ ही पुलिसकर्मियों को भी मीडिया से बातचीत करने की अनुमति नहीं थी। बताया गया कि शो करीब साढ़े तीन बजे समाप्त हुआ। ये बताया उद्देश्य- चर्चा है कि पुलिस अधिकारियों द्वारा पुलिसकर्मियों को प्रेरित करने के लिए यह पहल की गई। उनका कहना है कि ऐसी फिल्मों से पुलिसकर्मियों को अपने कर्तव्यों के प्रति प्रेरणा मिलती है।फिल्म के जरिए मिली सीख पाकिस्तान में भारतीय एजेंटों के काम करने का तरीका दिखाया गया, उससे उन्हें काफी कुछ समझने को मिला। नोटबंदी का दौर याद आया, साथ ही उन्हें वह दौर भी याद आया जब नकली करेंसी के जरिए देश में आर्थिक चुनौती पैदा की गई थी। ट्रेनिंग से जुड़ी लगी कहानी- पुलिसकर्मियों का कहना था कि फिल्म में दिखाए गए कई दृश्य उनकी ट्रेनिंग से जुड़े लगते हैं। जिस तरह की परिस्थितियों और रणनीतियों को फिल्म में दिखाया गया, उससे उन्हें अपने कर्तव्यों को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलती है। पहल पर शुरू हुई सियासत- इस कार्यक्रम को लेकर राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। कई लोग इसे पुलिसकर्मियों को प्रेरित करने की पहल मान रहे हैं, जबकि कुछ इसे लेकर सवाल भी उठा रहे हैं। दरोगाओं की मांग पर दिखाई गई धुरंधर-2ऽ एसएसपी- 2023 बैच के एसआई पुलिसकर्मियों को विवेचनाओं और लंबित अपराधों की समीक्षा के आधार पर कुछ नया सिखाने के लिए धुरंधर 2 मूवी दिखाई गई।

TB is not just a disease, it's becoming a social stigma for women; marriages are breaking in 10% of cases.

While male patients receive full support from their families, especially their wives, in a highly serious disease like TB, female patients are deprived of this. TB is becoming a social stigma for women. Study: 10% of marriages break due to TB. A change in social attitudes is essential for TB elimination.

TB is not just an infectious disease, but also a social crisis, silently affecting women in particular. This disease, which causes the death of millions of women every year, makes their daily lives extremely difficult. Let's learn about this from Dr. Suryakant (HoD, Respiratory Medicine, KGMU, Lucknow). A study of 960 female TB patients concluded that approximately 69% of women understand the severity of TB and the importance of treatment. While health awareness has improved, a large number of women are still forced to conceal their illness. Fear of society, the potential for relationship breakdown, and the worry of losing respect are the reasons behind this. This not only increases mental stress but also deprives them of essential support. Approximately 44 percent of women with TB withdraw from social activities to avoid stigma. TB has the most severe impact on women's marital lives, with approximately 18 percent experiencing rejection from their spouses or in-laws. Shockingly, in approximately 10 percent of cases, marriages ended due to TB. Meanwhile, 40 percent of women were denied marriage because society considered them "sick" and "unfit." This study also highlighted the gender inequality prevalent in society. While male TB patients receive full support from their families, especially their wives, female patients are deprived of this. A shift in mindset is essential, not just medication—medical treatment alone is not enough to eradicate TB. This requires social change. Gender-sensitive programs are especially needed for women so they don't feel isolated. Globally, approximately 10 million people develop TB each year, of which 2.8 million are in India. TB can affect any part of the body. TB in the lungs is called pulmonary TB, and TB in other parts of the body is called extrapulmonary TB. In India, approximately 80% of TB patients have pulmonary TB. Symptoms of TB disease: Symptoms develop gradually and can last for several weeks. Persistent cough, lasting two weeks or more. Sputum in the cough. Blood in the cough. Chest pain when breathing or coughing. Shortness of breath. Prolonged fever, which worsens in the evening. Night sweats. Feeling tired and weak throughout the day. Loss of appetite and weight loss - what are the measures to prevent TB? If you have a cough or other TB symptoms for more than two weeks, you should get a sputum test and a chest X-ray. Microscopic and molecular tests (CB-NET or TruNAT) are performed to look for TB bacteria in sputum. All these tests are performed free of charge at government hospitals and health centers. Who is at greater risk? The risk of TB increases due to factors such as contact with a TB patient, malnutrition, HIV, diabetes, early pregnancy and repeated pregnancies in women, purdah system, cooking on wood stoves, air pollution, smoking and other addictions, lack of sanitation, and living in dirty and densely populated areas. How is it treated? TB is a completely curable disease, provided it is treated promptly and thoroughly. It is treated with medication lasting six to nine months. It is important to complete the full course, otherwise the bacteria may become resistant to the drugs and lead to multi-drug-resistant TB (MDR TB), which is even more difficult to treat. Treatment for MDR TB lasts approximately two years, and these drugs have more side effects. Develop good habits: Maintain personal hygiene and use a handkerchief or tissue when coughing or sneezing. Infected individuals should wear a mask to prevent the spread of the bacteria. A balanced diet and regular exercise can boost the body's immunity. Smoking, alcohol, other intoxicants, and cooking on a wood stove also worsen TB, so avoid these. Diabetes, lung problems, cancer, and heart disease should also be properly treated to reduce the risk of TB.

It's not just fights that create distance; these habits can also weaken your relationship.

Some of our own habits gradually weaken our relationship. Therefore, it's important to improve them. Constant criticism and silent treatment weaken the relationship; repeating old mistakes destroys trust; and not respecting privacy suffocates the relationship.

We often think that a major fight or infidelity is what ends a relationship, but in reality, our own small negative habits, like termites, erode the relationship from within. Our behavior unconsciously pushes our partner away emotionally. Therefore, if you have such habits, it's crucial to improve them to preserve the relationship. Let's explore these habits. Interrupting and criticizing every little thing - There's a fine line between constructive feedback and constant criticism. If you constantly find fault with your partner's mannerisms, the way they dress, or act, they'll start to feel uncomfortable around you. This makes your partner feel like they're not enough for you. This undermines their confidence, and they stop sharing things with you. Giving the silent treatment - This is the most toxic way to express resentment. Going completely silent or ignoring your partner instead of talking during an argument is like emotional torture. Open communication is the oxygen of any relationship. When you give the silent treatment, your partner feels insecure, and instead of narrowing the distance, walls are built up. Rehashing past mistakes - Using old things as a shield to fight today is a very bad habit. Even if you've forgiven your partner for something, bringing it back up in every fight destroys trust. This makes your partner feel like you're not giving them a chance to change and that you still hold on to old bitterness. Not respecting privacy - Love doesn't mean you own every moment and every password of your partner. Spying on their phone, questioning their friends or not giving them any me-time creates suffocation in the relationship. When a person feels his freedom being taken away, he starts looking for ways to get out of that relationship. Trust is the foundation of a relationship; if it is not there, then it is difficult for the relationship to last. Comparing your partner with others - Comparing your partner with your friends or their partners leaves deep wounds on their heart. Every person has his own strengths and weaknesses. By comparing, the partner feels that you are not accepting them the way they are. This creates anger towards you in their mind.

Don't compromise your health in the pursuit of gas savings. Make ready-to-eat foods healthier with these methods.

Due to the increasing demand and uncertainty of LPG, people are increasingly turning to ready-to-eat/ready-to-cook and packaged foods. Add fresh vegetables and protein to ready-to-eat foods. Make instant mixes and freezer meal options at home. Check sodium, sugar, and fat by reading nutrition labels. Are you also worried about the shortage of LPG gas and considering increasing the number of ready-to-eat and instant food packets in your monthly ration list? While these instant foods may help save fuel, excessive reliance on them can put your health at risk. We must understand that the excess preservatives, salt, and sugar present in them can affect the digestive system. Excessive consumption of packaged foods increases the risk of obesity, fatty liver, heart disease, type 2 diabetes, and even cancer. These foods are relatively low in nutrients. A little caution before preparing or purchasing them at home can help minimize their harmful effects. Improve the quality of your food: Instead of eating them directly from the store, you can use several methods to make your meals tasty and nutritious. For example, when it comes to noodles or pasta, you can add frozen or microwaved vegetables like broccoli, peas, or carrots. Similarly, you can add boiled eggs, cheese, or tofu pieces to them. These can help meet your daily protein needs. Also, be careful when using packaged spices. For example, the flavor makers included in the package contain high amounts of salt, so use less or half the amount. You can add herbs, lemon juice, or fresh coriander for flavor and nutrition. Freezer Meals Suitable for Everyone - Instead of buying store-bought frozen foods, prepare them yourself. This can save you the hassle of cooking for a while. However, always remember that this is a temporary solution to save fuel and time. Take necessary precautions when preparing them, as they can be more harmful for people with weakened immune systems, such as the elderly, children, pregnant women, and the sick. Prepare a thick dal tadka or tomato-onion gravy and freeze it in an ice tray or small container. Alternatively, boil chickpeas, kidney beans, or cowpeas, drain the excess water, and freeze them in a ziplock bag. Homemade Noodle Soup for Kids - Noodles are becoming an essential part of every household kitchen. The LPG shortage has increased the demand for such products. If you prefer, you can prepare noodles at home and store them in a glass jar. To do this, first take a glass jar and add some soy sauce and ginger-garlic paste. Add boiled noodles on top. You can add millet or whole wheat noodles to make them more nutritious. Then add finely chopped vegetables and paneer. You can prepare this immediately and feed it to children by simply pouring hot boiling water over it. You can also take it to the office. Nutritious Instant Mixes - You can prepare instant mixes like soup, upma, or sattu at home. Store them in an airtight container and they can last for 3-4 weeks. For example, to prepare instant upma, roast semolina with mustard seeds, curry leaves, peanuts, and dried vegetables, then cool it. When ready to eat, add hot water, cover, and consume for five minutes. Similarly, you can easily make sattu drinks. Mix roasted gram sattu with cumin powder and black salt. This is an excellent protein drink. When you want to drink, you just need to dissolve it in water. Smart Consumers and Health - At this time, you need to be a little more cautious when purchasing ready-to-eat foods from the market. Read the nutrition label carefully. Check the sodium, saturated fat, and sugar content. Try to choose foods high in whole grains to ensure you get protein and fiber. Ingredients are listed in descending order. If whole grains, vegetables, or lean protein are the first three ingredients, choose that package. Whole grains, such as millet, are better than refined flour. Similarly, many instant foods are high in salt. To avoid this, ready-to-eat meals should have a low sodium content. Sugar is often listed under various names, such as corn syrup, sucrose, and dextrose. Be mindful of these quantities; they should also be limited. Similarly, avoid products containing trans fats and hydrogenated oils. Try to buy food alternatives containing olive oil or avocado oil. Keep these things in mind - Check the FSSAI logo and license number on the packet. Do not buy if there is any leakage or small ice particles visible in the can or pouch. If you want to store food at home, do so in glass jars or BPA-free containers.

Emraan Hashmi wanted to get married at the age of 6! Drama erupted at a family function over his first crush.

Emraan Hashmi, who has romanced in numerous films, has had a very interesting love life. He fell in love at the age of just 6. Read this fascinating story on his birthday. Emraan Hashmi, who wanted to get married at the age of 6, found also dated a married woman. Emraan Hashmi has and "Awaarapan," he has been a flirt not only in himself revealed this at an event, where he revealed has also fallen in love with a married woman. Today, interesting story related to his love life: Emraan Emraan Hashmi began his career in 2003 with the transformed his career, earning him the tag of He shared an anecdote about his first love at an he told India Today that when he was just 6 years Emraan saw his first girlfriend at a family function. 'Sanam'. He liked Sanam so much that he marry her. Hearing this from Emraan, his parents Hashmi, who has given kissing scenes on screen for for the first time when he was just 10 years old. On also fallen in love with a married woman - Emraan 'Murder'. However, a similar incident has happened "Yes, I had an affair with a married woman, but I when you're in a relationship, logic doesn't work. go." Marriage after a 6-year relationship Emraan 9th grade. However, their love blossomed when the

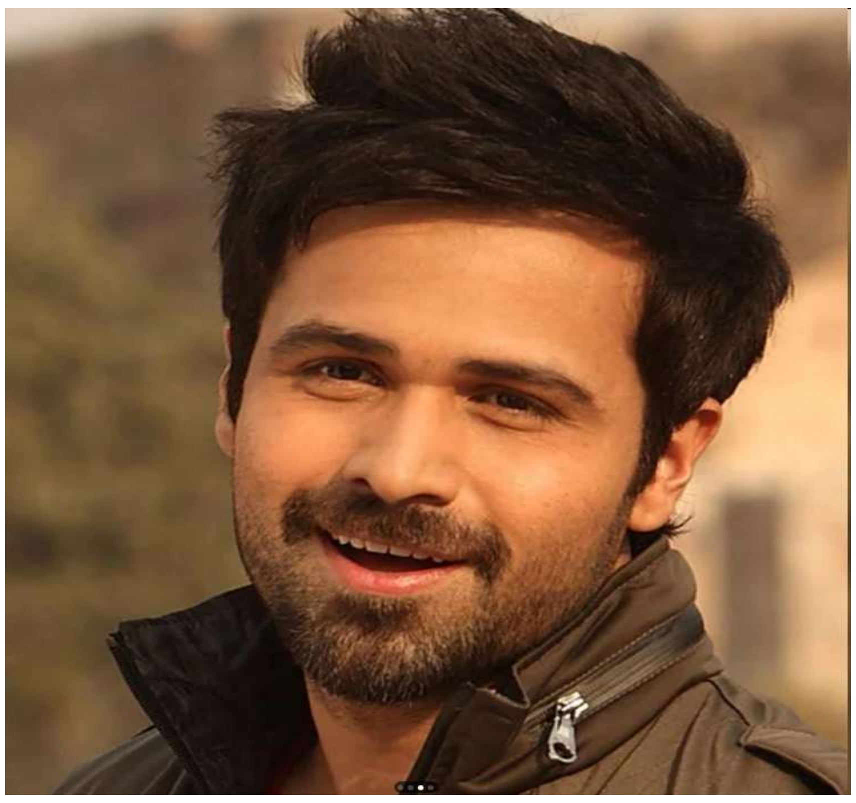

out the girl's name at a family function. The "Murder" actor has played diverse roles on screen. With hits like "Murder," "Jannat," films but also in real life. We're not saying this, but Emraan Hashmi that he fell in love for the first time at the age of 6. Furthermore, he on the special occasion of Emraan Hashmi's birthday, read this Hashmi fell in love at the age of 6. Born on March 24, 1979, in Mumbai, film "Footpath." However, the 2004 film "Murder" completely "serial kisser." With changing times, Emraan also changed his image. event many years ago. While promoting his film "Why Cheat India," old, he fell in love with a girl whom he wanted to marry. In fact, She immediately captivated him. He told that the girl's name was immediately went to his parents and told them that he wanted to were deeply shocked. Had his first kiss at the age of 10 - Emraan 17 years, also told in this conversation that he had kissed someone this occasion, he also called himself a 'retired kisser'. Emraan has Hashmi played the role of a married woman's lover in the film with him in real life too. In 2005, Emraan Hashmi said in an interview, didn't know she was married. I know it's hard to understand, but So I just set out on this journey without thinking about where it would Hashmi and Parveen Shahani were childhood friends. They met in actor began his acting career. After dating for six years, Emraan Hashmi married Parveen in 2006. They have a son, Ayaan Hashmi, who was born in 2010. Emraan Hashmi's love story is considered one of Bollywood's most beautiful and real stories.

Neena Gupta reveals her formula for becoming a "lady superstar"; this is why the actress yearned for lead roles.

Neena Gupta recently revealed that a major mistake in her career prevented her from becoming a lead actress. She also advised today's actresses to avoid this mistake. Neena Gupta gave this advice to actresses: The actress revealed about Sunil Grover. Veteran actress Neena been easy. She began her career at a very powerful role in the 2018 romantic-comedy and her career took off rapidly. One mistake lead actress. Today, Neena is a well-known revealed that one mistake prevented her from revealed that the 1982 film 'Saath Saath' was her career because she had a comedy role in mistake - She said, 'The biggest disaster I faced the role of a silly girl in it. It was a big hit, I premiere party, Girish Karnad came and said-heroine roles, that is what happened'. She said, 'Any girl who wants to play a lead should because they will not be able to think of you was very handsome, such a good actor, did Aruna Irani, I think Sunil Grover is such a changed now. Talking about work front, with Sanjay Mishra. This film has been written

her biggest career mistake and said this Gupta's journey to success in films hasn't young age in 1982, but it wasn't until her "Badhaai Ho" that she gained recognition cost Neena the opportunity to become a Bollywood actress, but recently she being offered lead roles. An interview a big hit but proved to be a disaster for that film. Neena Gupta had made a big was in a film called 'Saath Saath', I played thought I had made it. There was a now you are finished, you will never get gave this advice to actresses - She further not do comedy, especially in the beginning, in a heroine's role again. Like Mehmood he ever get a lead role, did he ever get good actor but maybe things have Neena was last seen in the film 'Vadh 2' and directed by Jaspal Singh Sandhu, and it has been produced by Luv Ranjan and Ankur Garg's company 'Luv Films'. 'Vadh 2' released in theatres on February 6, 2026.

"Dhurandhar" roars like a lion across the globe, reaching close to 800 crores in 5 days.

"Dhurandhar: The Revenge" has earned a massive amount at the worldwide box office in just 5 days and is now poised to join the 800 crore club. "Dhurandhar: The Revenge" has created a worldwide sensation in 5 days - ready to join the 800 crore club - worldwide craze for "Dhurandhar: The Revenge" is visible. "Dhurandhar: The Revenge," directed by Aditya Dhar and starring Ranveer Singh, is proving to be a box office success both in India and globally. The film's production company,

Jio Studios, released official earnings figures for the first time on Tuesday. Opening with 240 crores worldwide on its first day, Ranveer Singh's spy-thriller has already achieved a strong box office success in just 5 days. Read the full details below to learn how much the film has earned so far and how far it is from joining the ?800 crore club worldwide: "Dhurandhar: The Revenge" has earned this much worldwide. The official figures for the worldwide earnings of Ranveer Singh's spy thriller "Dhurandhar: The Revenge" have been shared by its production company,

Jio Studios, on its official Instagram account. Jio Studios shared the information, stating that "Dhurandhar: The Revenge" has so far earned ?761 crore at the global box office. The film needs only ?39 crore more to join the ?800 crore club, which could be achieved today. The makers have also shared the film's overseas collection figures, which are around ?211 crore. "Dhurandhar 2" has earned ?519.12 crore nett and ?550 crore gross in India. "Dhurandhar 2" Strengthens Its Hold in the South - "Dhurandhar: The Revenge," directed by Aditya Dhar, may have had a slow start in the South, but it has now solidified its hold. According to a report by sacnilk.com, the film grossed ?3.50 crore (approximately $3.5 million) in Telugu on its fifth day of release. In Tamil, it also earned ?1.20 crore (approximately $1.5 million) in Malayalam and Kannada. While "Dhurandhar: The Revenge" is making waves at the box office, several film luminaries have heaped praise on the film. In a post on Instagram, South Indian superstar Rajinikanth called it the "father of the box office." He said, "I congratulate Ranveer and the entire cast. Every Indian should see it. Jai Hind." Similarly, Nagarjuna, Alia Bhatt and Kajal Aggarwal have also praised the film a lot.